आज का विचार

सिर्फ सपनों से कुछ नहीं होता, सफलता प्रयासों से हासिल होती है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265
Established 2003

चंडीगढ़। मंगलवार, 24 जनवरी, 2023 | वर्ष 21, अंक 21, मूल्यः 3 रुपए | www.citydarpan.com

अथिया शेट्टी-केएल राहुल की शादी हुई संपन्न

नई दिल्ली। सुनील शेट्टी की लाडली बेटी अथिया शेट्टी और क्रिकेटर केएल राहुल हमेशा-हमेशा के लिए एक दूजे के हो गए। इन लव बर्ड्स की शादी सुनील शेट्टी के खंडाला स्थित बंगले में हुई, जिसमें फिल्मी जगत और क्रिकेट की दुनिया के चुनिंदा सितारों को बुलाया गया। अथिया शेट्टी और केएल राहुल का शादी धूमधाम से की गई और इसी के साथ फैंस का उनकी शादी की पहली तस्वीर देखने का इंतजार भी खत्म हुआ। अथिया शेट्टी और केएल राहुल की शादी की पहली तस्वीर सामने आ चुकी है। अथिया शेट्टी अपनी शादी में किसी फिल्म की हीरोइन से कम नहीं लग रहीं। वहीं, के एल राहुल भी दूल्हे की शेरवानी में काफी हैंडसम नजर आए। के एल राहुल दोपहर करीब 2:30 बजे बारात लेकर आए और करीब चार बजे अथिया के साथ फेरे लिए। शादी के बाद सुनील शेट्टी बेटे अहान के साथ बाहर आए। उन्होंने ट्रेडिशनल साउथ कुर्ता ड्रेस और लुंगी पहनी थी। वहीं, अहान व्हाइट कलर की शेरवानी में नजर आए। शादी संपन्न होने के बाद सुनील और अहान शेट्टी ने मीडियाकर्मियों को मिठाई बांटी। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि सुनील शेट्टी ने हाथ जोड़कर दुल्हन के पिता होने की सारी जिम्मेदारी निभाई, जिसकी फोटोज ने फैंस का दिल जीत लिया। अथिया शेट्टी-केएल राहुल की शादी प्राइवेट सेरेमनी में आयोजित की गई। इनकी शादी में बेहद करीबी लोग ही पहुंचे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस लव बर्ड की शादी भले ही कम लोगों के बीच रचाई गई, मगर ग्रैंड रिसेप्शन हजारों लोगों की मौजूदगी में आयोजित किया जाएगा।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद

पैरा-ग्लाइडर, ड्रोन और हॉट एयर बलून सहित कई गतिविधियों पर रोक, पुलिस ने तेज की पैट्रोलिंग

दर्पण न्यूज सर्विस

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस 2023 को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने राजधानी में कई ऐसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है, जो सुरक्षा को देखते हुए नुकसानदायक हो सकती है। पुलिस ने दिल्ली में पैरा-ग्लाइडिंग, ड्रोन सहित कई ऐसी चीजों पर रोक लगा दी है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि सोमवार से 15 फरवरी तक पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर, हैंग ग्लाइडर, मानव रहित हवाई वाहन, मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस), माइक्रो-लाइट विमान, दूर से संचालित विमान, हॉट एयर बलून, छोटे आकार के संचालित विमान, क्वाडकोप्टर की उड़ान पर रोक लगा दी है।

उत्तरी दिल्ली के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि 26 जनवरी को लेकर चेकिंग और पेट्रोलिंग शुरू कर दी गई है। सोमवार को दिल्ली पुलिस ने होटल्स, गेस्ट हाउस और सिनेमा हॉल में जाकर जांच पड़ताल की। यहां रह रहे लोगों से पूछताछ की। बड़े बाजारों में भी सुरक्षा मजबूत कर दी गई है। हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए बॉडी कैमरा का भी इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही लाल किले की सुरक्षा बढ़ा दी है। परेड रूट के 3 किमी तक हमने सुरक्षा के इंतजाम किए हैं।

17 झांकियां असम, अरुणाचल, त्रिपुरा, बंगाल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, दादरा नगर हवेली, दमन एवं दीव, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, महाराष्ट्र, आंध्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, और केरल जैसे राज्यों तथा यूटी की एतिहासिक विरासत की झलक पेश करेंगी।

इस साल 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड सैन्य क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की बानगी पेश करेगी। परेड में शामिल हर सैन्य उपकरण स्वदेश निर्मित होगा- सलामी के लिए 105 एमएमएम फील्ड गन से लेकर गोला-बारूद, अर्जुन टैंक, नाग मिसाइल सिस्टम, के-9 वज्र और एडवांस लाइट हेलीकाप्टर रुद्र तक। विजय चौक से लाल किले तक जाने वाली गणतंत्र दिवस परेड में भारत की यह अपनी शक्ति देखकर हर भारतीय गर्व का अहसास करेगा। मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल सिसी इस बार गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि हैं।

झांकियों के चयन में किसी राज्य से कोई भेदभाव नही: रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने गणतंत्र दिवस की परेड के लिए राज्यों की झांकियों के चयन में पंजाब से भेदभाव के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार झांकियों का चयन विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा किया गया है। चयन के कई आधार होते हैं। पंजाब समेत किसी भी राज्य के संदर्भ में निर्णय नीर-क्षीर तरीके से लिया गया है। गौरतलब है कि पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी तथा शिरोमणि अकाली दल की ओर से यह आरोप लगाया गया है कि केंद्र सरकार ने जानबूझकर पंजाब की झांकी का चयन नहीं किया। इस बारे में पूछे जाने पर मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियों का चयन आंचलिक आधार पर किया गया है, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों को छह मंडलों- उत्तरी, मध्य, पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वोत्तर में वर्गीकृत किया गया है। आम तौर पर परेड के लिए हर क्षेत्र के आनुपातिक परिमाण के आधार पर लगभग 15 झांकियों का चयन किया जाता है। इसमें यह देखा जाता है कि जिन राज्यों को हाल के वर्षों में मौका नहीं मिला है, उन्हें अवसर दिया जाए। इसके पहले मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी थी कि एक विशेषज्ञ समिति ने विभिन्न राज्यों-केंद्र शासित क्षेत्रों की झांकियों के प्रस्तावों की जांच की गई। इसके अलावा समिति के सदस्यों द्वारा झांकी की विषय वस्तु, प्रस्तुति, कलात्मक प्रदर्शन और तकनीकी अंशों पर राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बातचीत भी हुई थी। मंत्रालय ने बताया है कि इस बार परेड के दौरान 17 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों की 23 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। परेड में केंद्रीय मंत्रालयों तथा विभागों की छह झांकियां भी शामिल होंगी।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप मामला

पूर्व मुक्केबाज एमसी मेरीकॉम होंगी 5 सदस्यीय निगरानी समिति की प्रमुख

दर्पण न्यूज सर्विस

नई दिल्ली। दिग्गज मुक्केबाज एमसी मेरीकॉम भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए गठित पांच सदस्य निगरानी समिति की अध्यक्षता करेंगी। सरकार ने इस समिति की नियुक्त की है जो अगले एक महीने तक डब्ल्यूएफआई के रोजमर्रा के काम को भी देखेगी। पैनल के अन्य सदस्यों में ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त, पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और मिशन ओलंपिक सेल की सदस्य तृप्ति मुरगुंडे, टॉप्स के पूर्व सीईओ राजगोपालन और भारतीय खेल प्राधिकरण (साईं) की पूर्व कार्यकारी निदेशक (टीम) राधिका श्रीमन शामिल हैं। इस पैनल के गठन की घोषणा खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को की। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और रवि दहिया सहित देश के चोटी के

पहलवानों के डब्ल्यूएफआई और शरण के खिलाफ तीन दिन तक चले धरने के बाद ठाकुर ने शनिवार को समिति गठित करने का फैसला किया था। शुक्रवार देर रात ठाकुर के साथ दूसरे दौर की मैराथन बैठक के बाद पहलवानों ने अपना धरना खत्म कर दिया था। ठाकुर ने कहा, डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष अपने कार्यों का निर्वहन नहीं करेंगे और डब्ल्यूएफआई के रोजमर्रा के कार्यों से दूर रहेंगे। डब्ल्यूएफआई के रोजमर्रा के कार्यों को निगरानी समिति पूर्व निर्धारित समय तक देखेगी और डब्ल्यूएफआई तथा उसके प्रमुख के खिलाफ गंभीर आरोपों की जांच भी करेगी। उन्होंने कहा, निगरानी समिति की अध्यक्ष विश्व चैंपियन मेरीकॉम होंगी। उनके साथ योगेश्वर दत्त, एमओसी सदस्य और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता तृप्ति मुरगुंडे, टॉप्स के पूर्व सीईओ राजगोपालन और साई की पूर्व कार्यकारी निदेशक टीम राधिका श्रीमन भी समिति का हिस्सा होंगे।'' खेल मंत्री ने कहा, ह्यह्यअगले एक महीने में यह समिति सभी हितधारकों से बात करके यौन उत्पीड़न और अन्य आरोपों की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। तब तक डब्ल्यूएफआई के रोजमर्रा के फैसले और कार्यों का निर्वहन भी यह समिति करेगी।'' मेरीकॉम और योगेश्वर डब्ल्यूएफआई के खिलाफ यौन उत्पीड़न और भ्रष्टचार के आरोपों की जांच के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित सात सदस्यीय समिति का भी हिस्सा हैं।

पहलवानों के खिलाफ भारतीय कुश्ती महासंघ प्रमुख बृजभूषण शरण के रसोइये विक्की ने हाईकोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों/पहलवानों के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। वकील ने याचिका दायर करने के बाद बताया कि इस मामले में याचिकाकर्ता विक्की नाम का व्यक्ति है, जो सांसद बृजभूषण शरण सिंह के आधिकारिक आवास 21, अशोक रोड में रहता है और उनके रसोइए के रूप में काम कर रहा है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शनकारियों/पहलवानों ने न्याय का मजाक बनाकर यौन उत्पीड़न कानूनों का पूरी तरह से दुरूपयोग किया है। अगर किसी खिलाड़ी का यौन उत्पीड़न हुआ है, तो उसे पुलिस और अदालतों आदि के माध्यम से कानून के अनुसार काम करना चाहिए। याचिका में विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया आदि सहित खिलाड़ियों के खिलाफ डब्ल्यूएफआई प्रमुख को इस्तीफा देने के लिए जबरन बाध्य करने के लिये प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शनकारी खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाकर बृजभूषण की प्रतिष्ठा और सम्मान को धूमिल करने की हदें पार कर दी हैं।

हिजाब विवाद : सुनवाई के लिए 3 सदस्यीय पीठ गठित करने पर विचार करेगा सुप्रीमकोर्ट

दर्पण न्यूज सर्विस

नई दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह कर्नाटक के स्कूलों में हिजाब पहनने से संबंधित मामले में फैसला लेने के लिए 3 न्यायाधीशों की पीठ गठित करने पर विचार करेगा।

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन और जस्टिस जे बी पारदीवाला की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा की दलीलों का संज्ञान लिया कि राज्य में 6 फरवरी से कुछ कक्षाओं के लिए निर्धारित प्रैक्टिकल परीक्षाओं के मद्देनजर एक अंतरिम आदेश पारित करने की आवश्यकता है।

कुछ छात्राओं की तरफ से पेश अरोड़ा ने कहा, यह हिजाब मामला है। छात्राओं की 6 फरवरी 2023 से प्रैक्टिकल परीक्षाएं हैं और इस मामले को अंतरिम आदेश के लिए सूचीबद्ध किए जाने की जरूरत है, ताकि वे परीक्षा में शामिल हो सकें।

प्रैक्टिकल परीक्षाएं सरकारी स्कूलों में होंगी। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, मैं इस पर विचार करूंगा। यह

तीन न्यायाधीशों की पीठ का मामला है। हम एक तारीख तय करेंगे।

शीर्ष अदालत की 2 सदस्यीय पीठ ने पिछले साल 13 अक्तूबर को हिजाब विवाद में खंडित फैसला सुनाया था। पीठ ने प्रधान न्यायाधीश से आग्रह किया था कि कर्नाटक के स्कूलों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध से उपजे विवाद में फैसला लेने के लिए एक उपयुक्त पीठ का गठन किया जाए। जस्टिस हेमंत गुप्ता (जो अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं) ने जहां स्कूल-कॉलेजों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध से जुड़े कर्नाटक उच्च न्यायालय के 15 मार्च, 2022 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था, वहीं जस्टिस सुधांशु धूलिया ने कहा था कि राज्य के स्कूलों और कॉलेजों में कहीं भी हिजाब पहनने पर कोई पाबंदी लागू नहीं होगी।

जस्टिस गुप्ता ने कहा था कि किसी समुदाय के सदस्यों को स्कूल-कॉलेज में अपने धार्मिक प्रतीक धारण करने की इजाजत देना धर्मनिरपेक्षता के विपरीत' होगा, जबकि जस्टिस धूलिया ने जोर देकर कहा था कि हिजाब पहनना या न पहनना केवल पसंद का मामला होना चाहिए। शीर्ष अदालत के खंडित फैसले के कारण कर्नाटक उच्च न्यायालय का फैसला अभी भी प्रभावी है।

टोहाना के रसूलपुर में मेडिकल कॉलेज व जाखल में बनेगा नर्सिंग कॉलेज

ग्रामीण आंचल में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पंचायत खेल फिर से होंगे शुरू, 12 खेल होंगे शामिल: मनोहर लाल

दर्पण न्यूज सर्विस

टोहाना/फतेहाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने टोहाना के रसूलपुर में मेडिकल कालेज और जाखल क्षेत्र में नर्सिंग कॉलेज बनाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने टोहाना विधानसभा क्षेत्र को 580 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने टोहाना विधानसभा क्षेत्र की 278 करोड़ रुपये की लागत की 18 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास भी किए।

मनोहर लाल आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती पर विकास एवं पंचायत मंत्री श्री देवेंद्र बबली द्वारा गांव बिढ़ाई खेड़ा, टोहाना में आयोजित मधुर मिलन समारोह व प्रगति रैली के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चैटाला भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सरपंचों, पार्षदों व विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री व विकास एवं पंचायत मंत्री को पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ग्रामीण आंचल में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए गांव, खण्ड और जिला स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए, पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद इन खेलों का आयोजन करवाएंगी। इन प्रतियोगिताओं में 12 प्रकार के खेल होंगे।

मनोहर लाल ने घोषणा करते हुए कहा कि टोहानावासियों को आज कुल 580 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी है। इनमें से` 278 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया गया है। उन्होंने राजकीय महाविद्यालय, टोहाना को शहर की सीमा से बाहर स्थापित करने की घोषणा करते हुऐ कहा कि जहां कहीं भी 15-20 एकड़ जमीन उपलब्ध होगी, वहां कॉलेज स्थापित किया जाएगा। मनोहर लाल ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को नमन करते हुए कहा कि आज उनके व उनके जैसे अनेकों स्वतंत्रता सेनानियों की बदौलत आज हम आजाद देश

में खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास के साथ साथ हमने लोगों के सामाजिक व आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाने के लिए हरियाणा एक हरियाणवी एक के मूलमंत्र पर चलते हुए कई कार्य किए हैं।

पंचायत थ्री टायर सरकार, पंचायतों को दिए कई अधिकारः मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत थ्री टॉयर सरकार होती है। हमने इस सरकार को सत्ता में आने के बाद कई अधिकार दिए हैं। पिछली सरकारों ने तो पंचायतों को अधिकार नहीं दिए, लेकिन हमारी सरकार ने पंचायतों को विकास कार्य अपने आप कराने का अधिकार दिया है। पैसा पंचायतों का है, जैसे चाहे खर्च करो। प्रस्ताव पारित करें और पने क्षेत्र में विकास कार्य करवाएं। आगे भी अधिकार बढ़ाना होगा या पैसा बढ़ाना होगा, तो जैसे ही मांग आएगी, बढ़ा सकते हैं।

पंचायतों को वित्तीय रूप से किया सशक्तः मनोहर लाल ने कहा कि पंचायतों को वित्तीय रूप से सशक्त करने के लिए अब स्टाम्प ड्यूटी का 2 प्रतिशत हिस्सा भी पंचायतों को देने की सुविधा शुरू की है। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंतिम तिमाही में गांवों में विकास कार्यों के लिए पंचायतों को 1100 करोड़ रुपये का बजट दिया गया है। पंचायतों को मजबूत करने के लिए इंटर डिस्ट्रिक्ट काउंसिल भी बनाया है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का पैमाना बनाया है। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास कार्यों मेंं सरपंच गाँव के बुजुर्गों व सेवानिवृत लोगों का सहयोग लें।

जनता के जीवन को सुलभ बनाने के लिए व्यवस्था परिवर्तन के किए अनेक कामः मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से अपील की कि अपने गांव में नशे की समस्या को खत्म करने के लिऐ एकजुट हों। उन्होंने कहा कि 2014 में जनता के जीवन को सुलभ बनाने के लिए व्यवस्था परिवर्तन के कई काम किए हैं। सीएम विंडो से लेकर ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी बनाई है। अब इस नीति में ट्रांसफर के लिए पहले महिलाओं को प्राथमिकता देंगे ताकि उन्हें नजदीक के स्टेशन मिलें। उन्होंने कहा कि गांवों में विकास के कार्य जनता भी सीधे सरकार तक पहुंचा सके इसके लिए ग्राम दर्शन पोर्टल बनाया है। इस पोर्टल पर टोहाना हल्के के नागरिकों ने 26 विकास कार्यों की मांग भेजी थी, जो अप्रूव हो गई हैं।

पीपीपी से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रहा योजनाओं का लाभः मनोहर लाल ने कहा कि हमारी सरकार ने परिवार पहचान पत्र के माध्यम से हर योजना का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं। पीपीपी के माध्यम से अब राशन कार्ड भी ऑटोमेटिक बनाए जा रहे हैं। 12 लाख नए राशन कार्ड बने हैं। इसके अंतर्गत राज्य सरकार ने एक व्यापक कार्य योजना तैयार की है, जिसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वाभिमान और स्वावलंबन पर जोर देते हुए प्रत्येक नागरिक का सर्वांगीण विकास व कल्याण सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए परिवार पहचान पत्र में एकत्रित नागरिकों के डाटा को आयु वर्ग के अनुसार विभिन्न वर्गों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक वर्ग का जिम्मा एक विभाग को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि गरीब व जरूतमंदों के उत्थान के लिए मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना चलाई जा रही है।

27 जनवरी को पंजाब में शुरू होंगे 500 आम आदमी क्लीनिक

अमृतसर में सीएम मान करेंगे उद्घाटन, 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल मुख्य अतिथि के तौर पर होंगे मौजूद

- अब तक दस लाख से ज्यादा लोगों ने आम आदमी क्लीनिक का उठाया लाभ, तीन लाख से ज्यादा लोगो की हुई मुफ्त जांच: स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह
- मुख्यमंत्री भगवंत मान का है सपना, पंजाब को रंगला पंजाब बनाना: हरपाल सिंह चीमा

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। 27 जनवरी को मुख्यमंत्री भगवंत मान पंजाब के लोगों को 500 आम आदमी क्लिनिक (मोहल्ला क्लीनिक) की सौगात देंगे। इससे पहले उन्होंने पहले चरण में बने 100 आम आदमी क्लीनिक का 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उद्घाटन किया था। अब 400 नए क्लीनिक तैयार होने के बाद पंजाब में कुल आम आदमी क्लीनिक की संख्या 500 हो जाएगी। सोमवार को मोहाली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह ने मीडिया को बताया कि 27 जनवरी को अमृतसर में उद्घाटन कार्यक्रम होगा। उद्घाटन मुख्यमंत्री भगवंत मान करेंगे। वहीं 'आप' संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि बेहद गर्व की बात है कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के मात्र साल भर के भीतर ही पंजाब में पहले पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के लोगों को गारंटी दी थी कि सरकार बनने पर पंजाब में मोहल्ला क्लीनिक बनाएंगे। अब हमारे मुख्यमंत्री भगवंत मान उनके सभी वादों को एक-एक कर पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान का सपना है कि पंजाब को रंगला पंजाब बनाना है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर ने आम आदमी क्लीनिक की सफलताओं का जिक्र किया और कहा कि अब तक दस लाख से ज्यादा लोगो ने आम आदमी क्लिनिक का उठाया लाभ उठाया है और इलाज के दौरान तीन लाख से ज्यादा लोगो की मुफ़्त जाँच की गई। इसके अलावा लोगों को मुफ्त में दवाइयां भी दी गई।

डॉ बलबीर ने कहा कि 'आप' सरकार की पहली प्राथमिकता है कि आम लोगों को शिक्षा और चिकित्सा के टेंशन से मुक्त किया जाए। जब आम लोगों के बच्चे को मुफ्त में अच्छी शिक्षा मिलेगी, मुफ्त में इलाज होंगे, मुफ्त दवाइयां मिलेगी और मुफ्त स्वास्थ्य जांच होगी तो उनके काफी पैसे बचेंगे। इन पैसे का इस्तेमाल वे अपने दैनिक जरूरतों में के कामों में करेंगे। इससे आम लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा और समाज सही मायने में तरक्की करेगा।

ड्रग्स के खिलाफ निर्णायक जंग

एक हफ्ते में 241 ड्रग तस्कर 5 किलो हेरोइन, 4.90 किलो अफीम, 7.89 लाख रुपए ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार

- मुख्यमंत्री के निर्देश पर पंजाब पुलिस राज्य से नशों की समस्या का सफाया करने के लिए वचनबद्ध
- एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में पीओज/भगोड़ों को गिरफ्तार करने के लिए शुरू किया गया अभियान महत्वपूर्ण वृद्धि के गवाह हैं क्योंकि गिरफ्तारियों की कुल संख्या 636 तक पहुंची

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान के निर्देश पर शुरू की गई नशों के विरुद्ध जारी निर्णायक जंग के बीच पंजाब पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सबस्टेंस (एनडीपीएस) के तहत 18 वाणिज्यिक समेत 173 प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करके पिछले सप्ताह में राज्य भर में सक्रिय 241 नशा तस्करों/आपूर्तिकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय सुखचैन सिंह गिल ने सोमवार को यहां अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कहा कि पुलिस ने 5 किलोग्राम हेरोइन, 4.90 किलोग्राम अफीम, 5.92 क्विंटल चूरा पोस्त और 1.95 लाख गोलियों भी बरामद की हैं। फार्मा ओपिओइड के कैप्सूल/इंजेक्शन/शीशियों के अलावा उनके कब्जे से 7.89 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस मामलों में पिछले सप्ताह गिरफ्तार किए गए 13 और घोषित अपराधियों (पीओ)/भगोड़ों के साथ गिरफ्तारियों की कुल संख्या 636 तक पहुंच गई है, क्योंकि 5 जुलाई, 2022 से पीओ/भगोड़ों को गिरफ्तार करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया था। आईजीपी ने कहा कि पुलिस टीमों ने 234 प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने के बाद 11,364 चीनी डोर के बंडल बरामद किए हैं, और 255 लोगों को इस घातक पतंगबाजी की डोर को बेचने में लिप्त लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिशानिर्देशों पर पंजाब पुलिस चीनी पतंगबाजी की डोर बेचने और खरीदने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। ज़िक्रयोग्य है कि पुलिस महानिदेशक, पंजाब गौरव यादव ने सभी सी.पीज/एसएसपीज को सख्त हिदायतें दी थीं कि वह हरेक मामले, खास तौर पर नशों की बरामदगी से जुड़े मामलों की बारीकी से पड़ताल करें, भले ही उनसे मामूली मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी हुई हो। इस बीच, पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत मान के निर्देश पर पंजाब पुलिस द्वारा सीमावर्ती राज्य से नशों के खतरे से निपटन के लिए व्यापक नशा विरोधी मुहिम शुरू की गई है।

पुलिस और तस्कर के बीच मुठभेड़ में गाड़ी पलटी, 7 करोड़ की हेरोइन बरामद

- पैरोल पर आकर हुआ था फरार

दर्पण न्यूज सर्विस

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में तस्कर और पंजाब पुलिस के बीच फायरिंग हुई है। पुलिस को देख भागने के चक्कर में तस्कर की गाड़ी पलट गई। जिसके बाद तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 7 करोड़ की हेरोइन और अवैध हथियार बरामद किया है। यह कार्रवाई अमृतसर के अजनाला के अंतर्गत आते गांव डब्बर में हुई है। वहीं पकड़ा गया तस्कर एक मौजूदा सरपंच का बेटा है। तस्कर कुछ समय से एनडीपीएस के मामले में जेल में सजा काट रहा था। कुछ समय पहले ही वह जेल से पैरोल पर बाहर आया था। पैरोल खत्म होने के बाद वह वापस जेल नहीं गया। सूचना के बाद से ही एसटीएफ आरोपी के पीछे लगी हुई थी। पकड़े गए आरोपी की पहचान खानवाल निवासी सोनू मसीह के रूप में हुई हे। पुलिस को देख सोनू भागने की फिराख में था। जब एसटीएफ की गाड़ियां उसके पीछे लगती तो उसने फायरिंग की। जिसके बाद पुलिस ने भी आरोपी पर फायरिंग शुरू कर दी। इसी बीच सोनू मसीह की कार का बैलेंस बिगड़ गया और कार खेतों में पलट गई। पुलिस ने आरोपी सोनू को हिरासत में ले लिया है। आरोपी की कार से तकरीबन 1 किलो हेरोइन की खेप बरामद हुई है। इसके अलावा आरोपी का नाजायज पिस्टल भी बरामद कर लिया गया है, जिससे वह पुलिस पर फायरिंग कर रहा था।

नेशनल सिख खेल-2022 के मार्शल आर्ट्स में पदक विजेता खिलाडियों को किया सम्मानित

- कुलतार सिंह संधवां ने खिलाडियों से पूरी लगन और निष्ठा से मेहनत करने की अपील की

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने खेल के क्षेत्र में देश का नाम रौशन करने के लिए खिलाडियों को पूरी लगन और निष्ठा के साथ मेहनत करने की अपील की है। नेशनल सिख खेल-2022 के मार्शल आर्ट्स में पदक हासिल करने वाले एकमवीर सिंह और करनवीर सिंह का प्रसंशा पत्र के साथ विशेष सम्मान करने के अवसर पर स. संधवां ने कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खेल के क्षेत्र में पंजाब को फिर से अग्रणी राज्य बनाने के लिए सक्रियता आरंभ की हुई है। स. संधवां ने कहा कि पंजाब सरकार नौजवानों की ऊर्जा को सकारात्मक ढग से इस्तेमाल करने के लिए खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। स. संधवां ने कहा कि पंजाब में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और पंजाब सरकार उनकी क्षमता का लाभ उठाने और उनको अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लेने और बढिया प्रदर्शन करने के योग्य बनाने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि अब पंजाब में खिलाडियों को अति-आधुनिक बुनियादी सुविधाएँ मुहैया करवाई जा रही हैं, जिससे खिलाड़ी अपना बढिया प्रदर्शन दिखा सकें और देश का नाम रौशन कर सकें। गौरतबल है कि नेशनल सिख खेल-2022 में पटियाला एकमवीर सिंह और मोहाली के करनवीर सिंह ने बूडो काई डौ मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। स. संधवां ने कहा कि इन खिलाडियों द्वारा स्वर्ण पदक हासिल करना राज्य के लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इन खिलाडि;ों ने राष्ट्रीय स्तर पर पंजाब का नाम रौशन किया है। उन्होंने दोनों खिलाडि;ों को

गणतंत्र दिवस पर 15 अधिकारी होंगे सम्मानित

चंडीगढ़। बढ़िया काम करने वाले 15 मुलाजिमों व अधिकारियों को पंजाब सरकार द्वारा बठिंडा में आयोजित किए जा रहे राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्यमंत्री भगवंत मान की तरफ से मैडल देकर सम्मानित किया जाएगा। इन हस्तियों में भ्रष्टाचार पर नकेल कसने में अहम भूमिका निभाने वाले एआईजी मनमोहन का नाम शामिल है। उन्होंने पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा को रंगे हाथों पचास लाख रिश्वत देते काबू किया था। वहीं बठिंडा में मुख्यमंत्री रक्षक पदक से चार मुलाजिमों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें एसआई रमन कुमार मुख्य थाना अफसर कोटभाई जिला अमृतसर, एसआई हरपिंदर सिंह पुलिस लाइन श्री मुक्तसर साहिब, हेड कांस्टेबल गुरनाम सिंह और हेड कांस्टेबल हरिंदर सिंह 5वीं आईआरबी अमृतसर शामिल हैं।

पूर्व हेल्थ सेक्रेटरी पर हेल्थकेयर मशीन खरीद के टेंडरों में अपनों को फायदा पहुंचाने का आरोप

- विजिलेंस टीम ने शुरू की जांच

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने 20 जनवरी को हेल्थ सेक्रेटरी अजॉय शर्मा को आनन-फानन में पद से हटाने के बाद उनके खिलाफ विजिलेंस जांच की शरू कर दी है। अजॉय शर्मा पर हेल्थ विभाग में उपकरणों की खरीद में अपने करीबियों को फायदा पहुंचाने और मनमाने ढंग से टेंडर अलाटमेंट करने के आरोप हैं। वहीं विभाग में बीते महीनों में हुई नई भर्ती में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए हैं। विजिलेंस विभाग ने जांच शुरू करने की पुष्टि की है। अजॉय शर्मा को ऐसे मौके पर हटाया गया है, जब पांच दिन बाद 26 जनवरी को सरकार 400 नए आम आदमी हेल्थ क्लीनिक का उद्घाटन करने जा रही है। शनिवार को शर्मा ने आरोप लगाए कि सरकार विभाग का 30 करोड़ रुपए दूसरे राज्यों में प्रचार पर खर्च करना चाहती थी, जिसकी मंजूरी देने से उन्होंने इंकार कर दिया। शर्मा द्वारा इस मामले में बयान देते हुए सरकार ने भी अपना पक्ष रखते हुए कहा कि शर्मा ने विभागीय खरीद में गड़बड़ी की है। शर्मा को सरकार ने अप्रैल 2022 में ये पद दिया था और वे तभी से सरकार का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आगे बढ़ा रहे थे। जानकारों का कहना है कि उन पर काफी समय से आरोप लग रहे थे लेकिन सरकार ने कुछ पुख्ता प्रमाण मिलने के बाद उनको पद से हटाया है।

मुख्य सचिव से की अभद्रता

जब अफसरों ने इन आरोपों पर शर्मा को तलब किया तो वहां पर भी विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि उसके बाद ही उन्होंने मीडिया में प्रचार के लिए 30 करोड़ की मंजूरी न देने का मुद्दा उठाया। उनको वित्त आयुक्त के पद से भी हटा दिया गया है।

गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी ने श्री हरमंदिर साहिब पहुंचकर गुरुघर में टेका माथा

- गुरु घर के प्रति उनकी श्रद्धा है, इसलिए वह श्री हरमंदिर साहिब माथा टेकने के लिए पहुंचे हैं: विजय रुपाणी

दर्पण न्यूज सर्विस

अमृतसर। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सोमवार को श्री हरमंदिर साहिब में माथा टेकने के लिए पहुंचे। उनके साथ पंजाब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, राज्य महासचिव विक्रमजीत सिंह चीमा, जीवन कुमार, हरकेश बागा समेत विभिन्न पदाधिकारी मौजूद थे। रुपाणी ने श्री हरमंदिर साहिब में पगड़ी बांधकर माथा टेका और सुख शांति के लिए अरदास की। रुपाणी ने कहा कि वह भाजपा की पंजाब कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने के लिए आए हैं। गुरु घर के प्रति उनकी श्रद्धा है। इसलिए वह श्री हरमंदिर साहिब माथा टेकने के लिए पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब भाजपा की कार्यकारिणी कमेटी की बैठक में मौजूदा राजनीतिक हालातों और पंजाब में पार्टी के भविष्य की योजनाओं पर विचार चर्चा चल रही है। कार्यकारिणी की बैठक में जो भी फैसले लिए जाएंगे वह पंजाब के भविष्य की राजनीति को तय करेंगे, वहीं पार्टी को गांव स्तर पर मजबूत बनाने के लिए अहम होंगे। एक सवाल के जवाब में रुपाणी ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि पंजाब को राष्ट्रीय स्तर पर गणतंत्र दिवस की परेड में हिस्सा लेने के लिए मौका न दिया जाए। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा बहुत जल्द एक मजबूत राजनीतिक पार्टी के रूप में सामने आएगी। पंजाब के लोगों का भाजपा में विश्वास बढ़ रहा है।

बेकाबू होकर पेड़ से टकराई मिनी बस, सात लोग गंभीर घायल

दर्पण न्यूज सर्विस

होशियारपुर। होशियारपुर के कस्बा हाजीपुर के पास मिनी बस बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। जिस कारण चालक सहित बस में सवार सात लोग गंभीर रुप से घायल हो गई। हादसा दोपहर करीब 12 बजे अड्डा झीर दी खूही के पास हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को तुरंत बस में से निकाला और सिविल अस्पताल हाजीपुर व मुकेरियां पहुंचाया। जहां घायलों का उपचार चल रहा है। घायलों में से दो तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। जब यह हादसा हुआ तो बस में 25 से तीस लोग सवार थे। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि तलवाड़ा से दसूहा जा रही मिनी बस जैसे ही अड्डा झीर दी खूही के पास पहुंची एकाएक बेकाबू हो गई जैसे उसमें कोई टेक्निकली फाल्ट पड़ गया हो।

राहगीरों ने घायलों को बस से निकाला

चालक ने जैसे तैसे बस को कंट्रोल करने की कोशिश की लेकिन इस दौरान बस सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गई। राहगीरों ने तुरंत घायलों को बस से बाहर निकाला व पुलिस को सूचना दी। लोगों ने घायलों को तुरंत हाजीपुर व मुकेरियां अस्पताल पहुंचाया जहां उनका उपचार शुरू कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही थाना तलवाड़ा की पुलिस मौके पर पहुंच गई व बस के कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमन अरोड़ा के दौरे के बाद सुनाम मॉडर्न वेंडिंग जोन में जीर्ण-शीर्ण सामग्री बदली गई

- भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन की लूट में लिप्त पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा: अरोड़ा

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। पंजाब के सूचना एवं जनसंपर्क और आवास एवं शहरी विकास मंत्री श्री अमन अरोड़ा द्वारा घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग करने के लिए अधिकारियों और ठेकेदार की खिंचाई करने के एक दिन बाद सोमवार को मुख्य अभियंता और एसडीओ पंजाब मंडी बोर्ड के नेतृत्व में एक टीम ने ईंटों और अन्य सामग्रियों को बदल दिया। सुनाम उधम सिंह वाला में आधुनिक वेंडिंग जोन के निर्माण के लिए। कैबिनेट मंत्री द्वारा सुनाम की पुरानी सब्जी मंडी में एक करोड़ रुपये की लागत से बन रहे आधुनिक वेंडिंग जोन का औचक निरीक्षण करने के एक दिन बाद यह कदम उठाया गया और पाया गया कि सीवरेज मैनहोल की स्थापना के लिए पुरानी और खराब गुणवत्ता वाली ईंटों का इस्तेमाल किया जा रहा था। कक्ष। गौरतलब है कि श्री अमन अरोड़ा ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को तत्काल सामग्री बदलने का निर्देश दिया था अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकारी खजाने को लूटने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा और सरकारी धन का दुरुपयोग करने वाले किसी भी अधिकारी, कर्मचारी या ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विपक्ष के अप्रासंगिक और अपमानजनक बयानों का जवाब देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान लोगों के पैसों की लूट अब मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मान सरकार ने सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार और कदाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है।

कार्रवाई

मानव जीवन की सुरक्षा के मद्देनजर लिया गया फैसला : मीत हेयर

चाइना डोर पर पूर्ण पाबंदी के हुक्म सख्ती से लागू करने के निर्देश

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। बसंत पंचमी के त्योहार के मौके पर लोगों की तरफ से ज्यादा पतंग उड़ाने का गंभीर नोटिस लेते हुये मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की तरफ से सिंथेटिक या कोई अन्य सामग्री से बनी चाइना डोर जोकि पतंग उड़ाने के उद्देश्य के लिए बेची और इस्तेमाल की जाती है, की बिक्री, भंडारण और खरीद पर सख़्ती से पाबंदी लगाने और इसको तुरंत जब्त करने के हुक्म जारी किये गए हैं। ऐसी सामग्री से बनी डोर न सिर्फ. मानवीय जीवन के लिए, बल्कि पक्षियों के लिए भी खतरनाक है। इसके इलावा डीजीपी को निर्देश दिए गए हैं कि वह सभी एसएचओज को तुरंत अपने अधिकार क्षेत्र में छापेमारी करने के निर्देश जारी करें। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुये वातावरण मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने बताया कि उपरोक्त हुक्म माननीय पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के सी. डब्ल्यू. पी. नम्बर 487 आफ 2015 (ओ. एंड. एम.) तारीख 20 जनवरी, 2015 के हुक्मों अनुसार दिए गए हैं। उन्होंने राज्य के सभी डिप्टी कमिशनरों को चाइना डोर के खतरे के बारे आम लोगों को जानकारी देने के निर्देश दिए जिससे वह अपने बच्चों को पतंग उड़ाने के लिए इस किस्म की डोरी का प्रयोग न करने के बारे जागरूक कर सकें क्योंकि चाइना डोर बिजली की कंडक्टर है और इससे मानव जीवन, खास तौर पर पक्षियों के जीवन के लिए खतरा पैदा होता है। इसके इलावा, विज्ञान, प्रौद्यौगिकी और वातावरण विभाग, सरकार पंजाब के नोटिफिकेशन नं. 10/ 133/2016-एसटीई (5)/173002 तारीख 23. 02. 2018 के हुक्मों के अंतर्गत नायलॉन, प्लास्टिक या किसी भी चीज से बने पतंग उड़ाने वाले धागे या किसी अन्य सिंथेटिक सामग्री जिसको पंजाब में ह्लचीनी डोर/माँझाह्ल के तौर पर जाना जाता है और जो गैर-बायोडिग्रेबल है, के निर्माण, बिक्री, भंडारण, खरीद, सप्लाई, आयात और प्रयोग पर पूर्ण पाबंदी लगाई गई है। वातावरण मंत्री ने कहा कि पंजाब के सभी कार्यकारी मैजिस्ट्रेट, वन्य जीव और वन विभाग के इंस्पेक्टर के रैंक के अधिकारी, पंजाब पुलिस के सब-इंस्पेक्टर और इससे ऊपर के रैंक के अधिकारी, राज्य की म्युंसपल इकाईयों के दर्जा तीन और इससे ऊपर के अधिकारी और पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के सहायक वातावरण इंजीनियर और इससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों को उपरोक्त निदेर्शों के लागू करने को यकीनी बनाने के लिए अधिकृत किया गया है। मीत हेयर ने आगे कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने 2016 के ओ. ए. नम्बर 384 और 2016 के ओ. ए. नम्बर 442 के अंतर्गत 11 जुलाई, 2017 को जारी निदेर्शों के द्वारा राज्य सरकारों को वातावरण (सुरक्षा) एक्ट, 1986; जानवरों के प्रति बेरहमी के रोकथाम एक्ट, 1960; वन्य जीव (सुरक्षा) एक्ट, 1972, भारतीय दंड संहिता या किसी अन्य कानूनी व्यवस्था के अंतर्गत किसी भी उल्लंघन के खिलाफ उचित कदम उठाने के लिए कहा गया है।

रंग और स्वाद नहीं बल्कि क्यूआर कोड से पता चलेगा असली और नकली शराब में फर्क

दर्पण न्यूज सर्विस

बठिंडा। अब रंग या स्वाद नहीं बल्कि मोबाइल एप बताएगा कि शराब असली है या नकली। इसके लिए आबकारी विभाग ने एक एप लांच किया है। इससे शराब की बोतल पर लगे क्यूआर कोड व होलोग्राम को स्कैन किया जाएगा। तब शराब की गुणवत्ता से लेकर बिक्री के रेट तक का पता लग जाएगा। चालू वित्त वर्ष की आबकारी नीति के तहत ट्रैक एंड ट्रेस प्रणाली में शराब की पेटियों पर बार कोड चस्पा किया गया है। बोतलों पर भी क्यूआर कोड चस्पा कराया गया है। बार-कोड व क्यूआर कोड की स्कैनिग करके शराब निमार्ता की जानकारी, बाटलिंग की तारीख व एमआरपी का विवरण जाना जा सकता है। इससे कोई भी व्यक्ति नकली शराब की पहचान आसानी से कर सकता है। एप के जरिए शराब की बोतल पर अंकित क्यूआर कोड का स्कैन कर जाना जा सकता है कि वह कहां बनी है। उसका दाम कितना है। कहां के लिए भेजी गई है। खास बात है कि यह एप सिर्फ असली शराब को ही स्वीकार करेगा। नकली शराब की बोतल पर फर्जी क्यूआर कोड लगाकर स्कैन करने पर उसे स्वीकार ही नहीं करेगा। कहीं नकली शराब मिलती है तो उसकी शिकायत भी एप के माध्यम से की जा सकती है। बठिंडा के ईटीओ कुलविंदर वर्मा ने बताया कि क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद शराब की बोतल की सारी जानकारी आ जाएगी। इसके अलावा विभाग की ओर से लोगों को नकली शराब का सेवन न करने को लेकर भी जागरूक किया जा रहा है।

तस्करी की शराब पर लग सकेगी लगाम

आबकारी विभाग के लांच एप से प्रदेश में बिक रही गैर-राज्यों की तस्करी की शराब पर भी लगाम कसेगी। चूंकि माफिया गैर राज्यों की शराब की बोतलों में फर्जी क्यूआर कोड लगा रहे हैं। इस एप के माध्यम से नकली शराब की बोतल पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन करेंगे तो वह स्वीकार ही नहीं करेगा। शराब खरीद रहे हैं तो उसके क्यूआर कोड को पहले अपने फोन पर एप के माध्यम से स्कैन कर लीजिए। जागरूक होने के बाद ही लोग एप के माध्यम से शराब की गुणवत्ता का आकलन कर सकेंगे।

आज से बारिश और ओलावृष्टि के आसार

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा में सोमवार से बारिश और ओलावृष्टि के साथ ठंड बढ़ने की संभावना है। 26 जनवरी को भी मेघ जमकर बरेंगे। इससे एक बार फिर से सर्दी का दौर लौटेगा। मौसम विभाग के अनुसार कई स्थानों पर तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि होगी। दोनों राज्यों में रात के समय अभी कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

CD दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक : स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक : सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड प्रेस, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क:7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

'नॉन परफॉर्मर' और भ्रष्ट कर्मचारियों के लिए हरियाणा में नौकरी करना हुआ असंभव

प्रदेश सरकार ने 48 अधिकारियों और कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाया

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में स्थापित की जा रही भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी व्यवस्था से भ्रष्टाचार करने वाले या काम करने में लापरवाही बरतने वाले सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए नौकरी में बने रहना असम्भव होता जा रहा है। श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश में पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सरकार द्वारा भ्रष्टाचार में संलिप्त कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कड़े फैसले लिए गए हैं। इसी कड़ी में सरकार ने 48 नॉन परफॉर्मर और भ्रष्ट कर्मचारियों पर सख्त एक्शन लिया है।

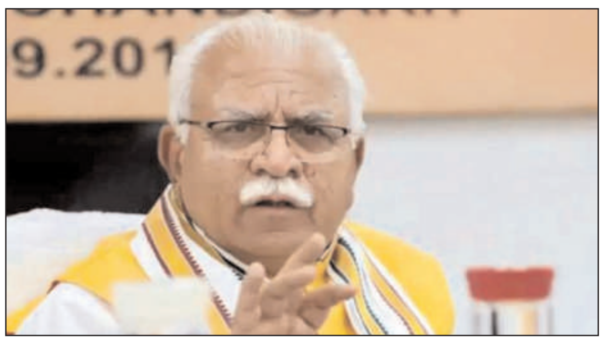

- कुछ पर गिरी गाज तो कुछ ने मजबूरन प्रीमैच्योर रिटायरमेंट ली
- कई कर्मचारी भ्रष्टाचार के पाए गए दोषी, कुछ ने बरती लापरवाही
- प्रदेश में स्थापित की जा रही भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी व्यवस्था: मुख्यमंत्री

केंद्र सरकार के पदचिन्हों पर चलते हुए हरियाणा सरकार ने पिछले 8 वर्षों में 50 से 55 साल की उम्र के 48 अधिकारियों/कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया है। कुछ कर्मचारियों ने जहां प्रीमैच्योर रिटायरमेंट ले ली तो वहीं कुछ को सरकार ने घर बैठा दिया। इनमें असिस्टेंट प्रोफेसर, सब इंस्पेक्टर, हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट ऑफिसर, इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन ऑफिसर, नायब तहसीलदार, डीआरओ, सुपरवाइजर, मैनेजर, रेजिडेंट ऑडिट ऑफिसर, जूनियर ऑडिटर, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, डिप्टी इंजीनियर, क्लर्क, असिस्टेंट, हवलदार, पियुन, गोडाउन कीपर आदि पदों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। ये कर्मचारी हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों, बोर्ड और निगमों के कार्यालय में कार्यरत थे। इन अधिकारियों/कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार में शामिल होने, ड्यूटी से अनुपस्थित रहने, नॉन-परफॉर्मेंस, लापरवाही बरतने और जाली सर्टिफिकेट बनाने आदि कारणों के चलते कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार अधिकारियों और कर्मचारियों की परफॉर्मेंस का समय-समय पर मूल्यांकन करती रहती है। सर्विस रिकॉर्ड रिव्यू करने के बाद ईमानदारी से काम करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाता है तो वहीं नॉन परफॉर्मर कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद शासन प्रणाली को पहले से और बेहतर बनाने का है। प्रदेश सरकार मिनिमम गवर्नमेंट और मैक्सिमम गवर्नेंस के मूल सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है। ऐसी व्यवस्था में भ्रष्टाचार की कतई जगह नहीं है। प्रदेश में भ्रष्टाचार पर पूर्णरूप से अंकुश लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

गौरतलब है कि सरकारी नियमों के मुताबिक ठीक काम न करने वाले अधिकारी या कर्मचारी 50 - 55 वर्ष की आयु या 20 वर्ष की नौकरी के बाद नौकरी से हटा सकती है। लेकिन पूर्व की सरकारों ने जनता की भलाई के लिए बने इन नियमों को कठोरता से लागू नहीं किया जिसकी वजह से नौकरी के लिए नाकाबिल हो चुके अधिकारी व कर्मचारी भी नौकरी करते रहे। वर्ष 2014 तक जहां सिर्फ 32 लोगों को घर भेजा वहीं 2014 के बाद श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में बनी सरकार ने जनहित में इन नियमों को पूरी कड़ाई से लागू करवाया जिसके फलस्वरूप गत 8 वर्षों में 48 सरकारी कर्मियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है।

बसों में अब ई-टिकटिंग प्रणाली होगी शुरू, रोडवेज के कंडक्टर भी हो जाएंगे स्मार्ट

दर्पण न्यूज सर्विस

कैथल। रोडवेज के कंडक्टरों के लिए राहत की खबर है कि अब उन्हें झोला और पंचिंग मशीन के साथ जद्दोजहद नहीं करनी पड़ेगी। अब जिले की बसों में ई-टिकटिंग प्रणाली शुरू होने जा रहा है। इससे पहले परिचालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कई डिपो में ई टिकटिंग मशीनों से टिकट शुरू हो चुकी हैं। फिलहाल ये ट्रायल बेस ही काम कर रही है। कैथल में भी अगले महीने तक तीन दर्जन से अधिक मशीनें पहुंचने की उम्मीद है।

बता दें कि प्राइवेट बसों में कंडक्टर लंबे समय से ई-टिकटिंग मशीन का प्रयोग कर रहे हैं। लेकिन अब परिवहन विभाग की बसों के कंडक्टरों के हाथ में भी ई-टिकटिंग मशीन होगी। इसकी तैयारियां आरंभ हो गई है। डिपो से ट्रैफिक मैनेजर सहित अन्य कर्मचारी मुख्यालय बुलाए गए हैं। यहां अधिकारियों के समक्ष अपने रूट व किराया संबंधित जानकारी उपलब्ध करवाई गई है। जानकारी को वेरिफाई करने के बाद मशीन में डाला जाएगा।

मुख्यालय स्तर पर ई टिकटिंग प्रणाली में आधी से ज्यादा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। यहां तक की अधिकारियों को इसके संचालन के बारे में प्रशिक्षण भी दिया गया है। अब जल्द ही परिचालकों को ई-टिकटिंग मशीन उपलब्ध होने की उम्मीद है। हालांकि रोडवेज से जुड़ी कर्मचारी यूनियनों की तरफ से लंबे समय से ई-टिकटिंग मशीनों की मांग की गई है। अब यह मांग पूरी होने पर है।

डिपो महाप्रबंधक अजय गर्ग ने कहा कि विभाग की नई व्यवस्था के अनुसार डिपो में भी ई टिंकटिंग मशीने पहुंचने की उम्मीद है। मुख्यालय को रूट व किराये से संबंधित जानकारी भेजी गई है। परिचालकों को मशीनों के संचालन के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे परिचालकों को भी नया अनुभव सीखने को मिलेगा।

ई-टिकटिंग मशीन मिलने के बाद परिचालकों को टिकटों पर पंचिंग से छुटकारा मिलेगा। मशीन से रूट के गांव का कोड नंबर दबाते ही सीधी टिकट प्रिंट होगी। इस टिकट पर समय और लोकेशन आएंगी। इससे फ्लाइंग टीम को पता चल सकेगा कि किस समय यात्री का टिकट कटा है।

गणतंत्र दिवस समारोह पर सुरक्षा को लेकर जीआरपी ने की स्टेशन व ट्रेनों में सघन चेकिंग

दर्पण न्यूज सर्विस

यमुनानगर। जीआरपी ने गणतंत्र दिवस समारोह पर सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे स्टेशन और रेलों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। जीआरपी थाना प्रभारी नरेंद्र प्रसाद की अगुवाई में रेलों में सर्चिंग की गई। यात्रियों के सामानों की जांच की गई। स्टेशन पर आने वाले यात्रियों के सामानों की भी जांच हुई। जीआरपी थाना प्रभारी नरेंद्र प्रसाद ने बताया कि यह सर्च आपरेशन 26 जनवरी तक चलेगा। सुरक्षा के मद्देनजर यह चेकिंग की जा रही है। इसके साथ ही यात्रियों को भी जागरूक किया जा रहा है। कोई भी संदिग्ध वस्तु मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। सर्च आपरेशन के दौरान रेलवे के अधीन आने वाली जगहों को भी जांचा गया। रेलवे स्टेशन की पार्किंग, मोटरसाइकिल स्टैंड व आसपास के इलाके में भी चेकिंग की गई।

स्टेशन पर आने वाले व ट्रेनों में यात्रियों को समझाया गया कि किसी भी लावारिस वस्तु को नहीं छूना है। इसके बारे में तुरंत जीआरपी को सूचना दें। किसी अनजान से खाने पीने का सामान न लें। इस दौरान एसआइ बोधराज, एचसी राजेंद्र कुमार, राकेश कुमार, लक्ष्मी देवी भी उपस्थित रहे। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन के प्रबंधों को लेकर डीसी राहुल हुड्डा ने अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए व अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह तेजली खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा। बरसात होने की स्थिति में यह कार्यक्रम नई अनाज मंडी में आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में सीएम मनोहर लाल ध्वजारोहण कर मार्च पास्ट परेड की सलामी लेंगे तथा स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिवार के सदस्यों एवं युद्ध वीरांगनाओं को सम्मानित करेंगे।

डीसी ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे देश का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व है। समारोह को भव्य पूर्ण ढंग से आयोजित करने के लिए जिस अधिकारी एवं विभाग को जो जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह उसे पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाएं। समारोह में पुलिस विभाग व विभिन्न स्कूलों के बच्चों की टुकडियों द्वारा भव्य मार्च पास्ट किया जाएगा तथा विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

ट्राले से टकराई पुलिस की बोलेरो गाड़ी, एक पुलिस कर्मी की मौत, दो आरोपितों सहित छह घायल

दर्पण न्यूज सर्विस

चरखी दादरी। अंबाला-नारनौल नेशनल हाईवे 152डी पर सोमवार सुबह गांव चिड़िया के समीप पुलिस की बोलेरो गाड़ी सड़क पर खड़े दुर्घटनाग्रस्त ट्राले से टकरा गई। हादसे में बोलेरो सवार एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। वहीं बोलेरो सवार चार पुलिसकर्मी तथा दो आरोपित गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए रोहतक पीजीआइ रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि धुंध के कारण यह हादसा हुआ है।

हादसे की जानकारी मिलते ही नारनौल पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण भी दादरी के सरकारी अस्पताल में पहुंची। झोझू कलां थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार महेंद्रगढ़ जिले की कनीना सदर थाना पुलिस ने गांव सेहलंग स्थित महेंद्रगढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक शाखा में चोरी मामले में गांव पोता निवासी रोहित व हरजीत को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में आगामी जांच के लिए कनीना थाना पुलिस सोमवार सुबह दोनों आरोपितों को पुलिस के सरकारी वाहन में पंजाब के लुधियाना लेकर ले जा रही थी।

सोमवार सुबह करीब आठ बजे जब टीम नेशनल हाईवे 152डी पर गांव चिड़िया के समीप पहुंची तो उनकी बोलेरो कार सड़क पर खड़े एक दुर्घटनाग्रस्त ट्राले से टकरा गई। हादसे में बोलेरो चालक ईएचसी संदीप की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बोलेरो सवार कनीना थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर हरीश कुमार, एएसआइ बाबू लाल, ईएचसी अमित कुमार, कांस्टेबल राजेश कुमार तथा दोनों आरोपित रोहित व हरजीत भी घायल हो गए। हादसे की जानकारी पाकर झोझू कलां थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को उपचार के लिए दादरी के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। बताया जा रहा है कि ट्राला ड्राइवर सचिन को भी घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

हादसे की जानकारी पाकर नारनौल के पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण पुलिस टीम के साथ दादरी के सरकारी अस्पताल में पहुंचे। वहीं दादरी डीएसपी हेडक्वार्टर विरेंद्र सिंह भी पुलिस टीम के साथ पहुंचे। पुलिस टीमों ने घायलों से बात की। दादरी के नागरिक अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद अन्य घायलों को भी रोहतक पीजीआइ रेफर किया गया है।

दादरी डीएसपी हेडक्वार्टर विरेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस की बोलेरो गाड़ी सड़क पर खड़े दुर्घटनाग्रस्त ट्राले से टकरा गई। उन्होंने बताया कि घायलों को रोहतक पीजीआइ रेफर किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

गुरुग्राम जिला अस्पताल की लिफ्ट में 25 मिनट तक बंद रहा मरीज, मचा हड़कंप

गुरुग्राम। सोमवार को सेक्टर दस जिला अस्पताल की लिफ्ट में एक मरीज करीब 25 मिनट तक बंद रहा। मरीज को आपरेशन थियेटर से वार्ड में शिफ्ट किया जा रहा था। जब लिफ्ट से मरीज को वार्ड में ले जाया जा रहा था तो उसी समय बिजली आपूर्ति बंद हो गई। अस्पताल स्टाफ का कहना है कि लिफ्ट 20-25 मिनट तक बंद रही। कुछ देर तो किसी को जानकारी ही नहीं थी कि लिफ्ट में मरीज तथा स्टाफ बंद है। बाद में बिजली आई तो मरीज को बाहर निकाला जा सका। बताया जा रहा है कि 22-23 साल के युवा के पैर का आपरेशन हुआ था। आपरेशन थियेटर अस्पताल इमारत के प्रथम तल पर है। आपरेशन के बाद मरीज को लिफ्ट द्वारा वार्ड में भूतल पर लाया जा रहा था। दरअसल करीब एक साल से सेक्टर दस जिला अस्पताल में बड़ा जेनरेटर खराब है। हालांकि इसमें अस्पताल के अधिकारियों की भी गलती नहीं है क्योंकि बार-बार लिखने के बाद भी उच्च अधिकारियों की तरफ से कोई आदेश नहीं आए हैं। एक साल से ऐसा होता आ रहा है कि अस्पताल में बिजली आपूर्ति बंद होने के बाद परेशानी रही है। अस्पताल में बहुत सी सेवाएं ठप हो जाती है। डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा. नीरज यादव का कहना है कि कुछ मिनट के लिए बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी और मरीज अधिक समय लिफ्ट में बंद नहीं रहा। जेनरेटर के संबंध में उच्च अधिकारियों को लिखा हुआ है। अब इस संबंध में जिला अतिरिक्त उपायुक्त के संज्ञान में लाया गया है। जेनरेटर जल्द ठीक कराया जाएगा। अस्पताल में गायनी वार्ड, निको वार्ड और आपरेशन थियेटर, इमरजेंसी वार्ड का काम इनवर्टर और छोटे जेनरेटर पर चलता है। हालांकि छोटे जेनरेटर की क्षमता इतनी नहीं है कि वह आवश्यकता के अनुसार बिजली सप्लाई दे सके। अगर कुछ घंटे बिजली सप्लाई बाधित हो जाए तो गायनी वार्ड, निको वार्ड और आपरेशन थियेटर का क्या होगा।

संक्षिप्त-समाचार

श्रमिकों को बंधक बना लूटा 30 लाख का तांबा

घरौंडा। मेरठ रोड पर स्थित नगला चौक के पास एक फैक्ट्री में कार्यरत श्रमिकों को बंधक बनाकर करीब 15 हथियारबंद बदमाश लाखों रुपये का सामान लेकर फरार हो गए। बदमाश करीब 30 लाख रुपये की कीमत का तांबा, मोटरसाइकल व श्रमिकों के मोबाइल ले गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने जिले के बाहर जाने वाले रास्तों व मुख्य चौकों पर नाकेबंदी कर दी, बदमाशों पता नहीं चला। करनाल शहर निवासी विकास अरोड़ा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी मेरठ रोड नगला चौक के पास बिजली के ट्रांसफार्मर बनाने व रिपेयर करने की हरी संस एनर्जी सेवर नाम से फैक्ट्री है। रविवार सुबह करीब सवा पांच बजे फैक्ट्री से श्रमिकों का फोन आया कि फैक्ट्री में डकैती पड़ गई है। वह तुरंत फैक्ट्री में पहुंचे। वहां सीसीटीवी फुटेज में देखा कि करीब 15 बदमाश थे। उनके पास बंदूक, चाकू, लाठी व डंडे थे। बदमाश फैक्ट्री की दीवार पर सीढ़ी लगाकर अंदर दाखिल हुए और सबसे पहले गार्ड को बंधक बनाया। इसके बाद अन्य श्रमिकों को भी हथियारों के बल पर कमरे में बंद कर दिया। बदमाशों ने एक श्रमिक को अपने साथ लिया और उस जगह गए, जहां पर तांबा रखा हुआ था। जहां तांबे की तारें रखी थी, वह गोदाम बंद था। बदमाश शटर का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए। चोरों ने इसके बाद तांबे की तार व मोटरसाइकिल को ट्रक में लोड कर दिया। इस दौरान बदमाश कमरे में बंद श्रमिकों को धमकाते रहे। बदमाश देर रात करीब एक बजे फैक्ट्री में दाखिल हुए और पांच बजे तक वहीं रहे। श्रमिकों की जेब भी कर गए खाली, मुंह से खोली रस्सी बदमाश श्रमिकों की जेबों में से भी राशि निकाल ले गए। उन्होंने नकदी व अन्य सामान की तलाश में फैक्ट्री के कार्यालय का गेट भी तोड़ा। बदमाशों के जाने के बाद श्रमिकों ने मुंह से हाथों में बंधी रस्सी खोली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल मधुबन की टीम मौके पर पहुंची।

बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर दो सुपरवाइजों से छीने 20 हजार रुपये, फरार

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी जिले की सीमा से सटे भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार दो सुपरवाइजर को बदमाशों ने रोक लिया और पिस्तौल दिखा कर 20 हजार रुपये छीन कर फरार हो गए। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस के अनुसार उत्तर प्रदेश के कस्बा गुन्नौर दरौली के रहने वाले कुलदीप व उसका दोस्त विकास कुमार भिवाड़ी की एक मैन पावर कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है। दोनों रविवार की रात करीब साढ़े आठ बजे खुशखेड़ा स्थित कंपनी से मोटरसाइकल पर वापस भिवाड़ी लौट रहे थे। दोनों खिजूरी टोल प्लाजा के निकट पहुंचे तो दो मोटरसाइकिलों पर सवार पांच बदमाशों ने रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने पिस्तौल दिखा कर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बदमाशों ने पिस्तौल दिखा कर कुलदीप की जेब से 20 हजार रुपये व विकास की जेब से मोबाइल छीन लिया। नकदी व मोबाइल छीनने के बाद सभी बदमाश फरार हो गए। सूचना के करीब 20 मिनट बाद पुलिस मौके पर पहुंची। रात को सूचना के बाद आइपीएस सुजीत शंकर और डीएसटी प्रभारी मुकेश कुमार भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने नाकाबंद कर बदमाशों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस ने कुलदीप की शिकायत पर बदमाशों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है और उनकी पहचान का प्रयास कर रही है।

राजस्थान के ट्रक चालक की गला दबाकर हत्या, गुरुग्राम की एक्सप्रेस कंपनी में थे ड्राइवर

सोनीपत। सर्विस रोड पर ट्रक लगाकर रात में आराम कर रहे चालक की गला दबाकर हत्या कर दी गई। मृतक राजस्थान के भरतपुर जिले के रहने वाले थे। दावत राइस मिल से चावल लोड करने के बाद उन्होंने ट्रक को सर्विस रोड पर लगा लिया था। रात में वह ट्रक में ही सो गए थे। अगले दिन दोपहर तक ट्रक नहीं हटाने पर अन्य ट्रक चालकों ने उनको जगाने का प्रयास किया तो मौत होने की जानकारी हुई। सर्दी में हार्ट अटैक होने की आशंका के चलते उनका शव पोस्टमार्टम को भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी गला दबाकर हत्या होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। राजस्थान के भरतपुर जिले के गोपालगढ़ गांव के रहने वाले दुर्गा सिंह ने बताया कि उनके पिता बीरबल सिंह (53)ट्रक चलाते थे। वह गुरुग्राम की एक्सप्रेस कंपनी के ट्रक पर चालक थे। परिवार के लोग दो-तीन दिन से उनसे मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन बात नहीं हो पा रही थीं। उनके पिता 17 जनवरी को ट्रक लेकर राई थानाक्षेत्र में स्थित दावत राइस मिल से चावल लेने आए थे। उन्होंने 19 जनवरी की रात को चावल लोड कर लिए थे और धुंध होने के चलते ट्रक को सर्विस रोड पर लगाकर सो गए थे। दोपहर तक ट्रक वहीं खड़ा रहने पर अन्य ट्रक चालकों ने उनको जगाने का प्रयास किया तो वह मृत मिले। उसके बाद पुलिस और उनके परिवार के लोगों को सूचना दी गई। परिवार के लोगों ने भीषण सर्दी में हार्ट अटैक होने से मृत्यु होने की आशंका जताई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ट्रक चालक बीरबल सिंह का गला दबाकर हत्या करने की पुष्टि हुई है। उसके बाद दुर्गा सिंह ने अज्ञात लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी की फुटेज चेक करने के साथ ही यह पता लगाने का प्रयासकर रही है कि घटना वाली रात सर्विस रोड पर और कितने ट्रक खड़े थे और उनके चालक-परिचालक कौन लोग थे। उनका मृतक बीरबल सिंह के साथ किस प्रकार का व्यवहार था। ट्रक में मृतक का मोबाइल, कागजात और पर्स के साथ ही चावल की भी चोरी नहीं होने से पुलिस हत्या को रंजिश से जोड़कर देख रही है।

बेटे ने लगाई फांसी, श्मशान स्थल से शव उठा लाई पुलिस; गुपचुप तरीके से हो रहा था दाह संस्कार

रेवाड़ी। बावल उपमंडल के गांव खिजूरी के पूर्व सरपंच के बेटे ने रविवार की रात शराब के नशे में पहले अपनी पत्नी के साथ मारपीट की, फिर कमरे में जाकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। स्वजन ने रात को ही दाह संस्कार के लिए शव को श्मशान स्थल पर ले गई, लेकिन किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के अनुसार गांव खिजूरी के रहने वाले पूर्व सरपंच अमर सिंह का बेटा करतार सिंह शराब पीने का आदी था। रविवार की रात को वह शराब के नशे में घर पहुंचा था। घर पहुंचने पर करतार ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर दी। स्वजन ने बीच बचाव का महिला को बचाया। स्वजन महिला को लेकर अस्पताल चले गए। अस्पताल से वापस लौटे तो करतार का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। युवक द्वारा आत्महत्या करने की सूचना गांव में भी फैल गई। स्वजन ने रात में ही संस्कार की तैयारी शुरू कर दी और शव को लेकर श्मशान स्थल में पहुंच गए। श्मशान स्थल में दाह संस्कार की तैयारियां भी पूरी कर ली गई थी, इसी दौरान किसी ने युवक द्वारा फांसी का फंदा लगाने और स्वजन द्वारा गुपचुप तरीके से रात को दाह संस्कार करने की सूचना पुलिस को दे दी। सूचना के बाद बावल थाना पुलिस भी रात को ही श्मशान स्थल पर पहुंच गई और दाह संस्कार को रोक दिया। पुलिस चिता से शव को उठा कर बावल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

धीन के तालाब में गंदगी का ढेर, पशु अस्पताल भी जर्जर

मुलाना। नेशनल हाईवे 344 के पास बसे करीब 10 हजार आबादी वाले गांव धीन में समस्याओं का अंबार है। लेकिन लोगों नई पंचायत से ये उम्मीदें हैं कि नई पंचायत किस हद तक गांव की समस्याओं को दूर करेगी और पंचायती चुनावों में किए चुनावी वादों पर कितना खरा उतरेगी। यदि गांव में समस्याओं की बात कि जाए तो गांव में बना सामुदायिक भवन अभी तक अधूरा पड़ा है। वहां न तो लाइटों की व्यवस्था व न ही भवन तक जाने का पक्का है। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2014 को राज्य सभा सदस्य बनीं कुमारी सैलजा ने इस गांव को आदर्श ग्राम योजना के तहत गोद लिया था। विकास के लिए ग्रांट का इंतजार रहा, लेकिन कुछ नहीं हो पाया। धीन गांव में करीब 19 लाख की लागत से 1.5 एकड़ में लोगों को निरोग रखने के उद्देश्य से बनाई गई व्यायामशाला प्रशासनिक अनदेखी के कारण अपने हालातों पर आंसू बहा रही है।

कांग्रेस ने अपने सिवा दूसरों को कभी आजादी का श्रेय नहीं दिया : अनिल विज

आजाद हिंद फौज के 26 हजार सैनिक शहीद हुए, जब हम बिना खड्ग बिना ढाल कह देते हैं तो हम भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के बलिदान का भी अपमान करते हैं : अनिल विज

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस ने अपने सिवा दूसरों को कभी आजादी का श्रेय नहीं दिया, यह आज तक यहीं कहते हैं ले दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल। श्री विज ने कहा कि साबरमती के संत ने कमाल कर दिया है और वह उनको प्रणाम करते है। मगर, बिना खड्ग बिना ढाल कहकर जिन्होंने अपनी कुर्बानियां दी हम उनका अपमान कर रहे हैं।

गृह मंत्री अनिल विज ने आज अम्बाला छावनी के नेता जी सुभाष चंद्र बोस पार्क में नेता जी की जयंती को पराक्रम दिवस के तौर पर मनाते हुए सैकड़ों कार्यकताओं सहित उनकी 12 फुट ऊंची प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें सैल्यूट किया।

इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत के दौरान गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि 26 हजार सैनिक आजाद हिंद फौज के शहीद हुए जो हिंदुस्तान के अंडेमान निकोबार पर कब्जे के दौरान शहीद हुए। जब हम बिना खड्ग बिना ढाल कह देते हैं तो हम भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के बलिदान का भी अपमान करते हैं। इस आजादी में जो अनसंग हीरोज है जिनको कभी याद नहीं किया गया, अब नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद पहली बार देश में इनको याद किया जा रहा है। पिछले साल नेता जी की जयंती पर नरेंद्र मोदी जी ने स्वयं लाल किले पर तिरंगा फहराया। नेता जी पहले महापुरूष है जिन्होंने सबसे पहले 1943 में देश की आजाद सरकार बनाकर स्टैंप व करंसी जारी कर अंडेमान निकोबार में तिरंगा फहराया।

गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती है और सन 2000 से हम नियमित रूप से जयंती को मना रहे है। जहां हम खड़े हैं यह शहर का सबसे गंदा स्थान था और सारे शहर का कूड़ा कर्कट

यहां पर गिरता था। अम्बाला छावनी के मजबूत भू-माफिया ने इस जमीन को अपने नाम करा लिया था, मगर हमने लंबी लड़ाई लड़कर इस स्थान को मुक्त कराया और यहां पर नेता जी के नाम से नेता जी सुभाष चंद्र बोस पार्क बनाया, जहां आज हजारों लोग दूर-दूर के शहरों से भी यहां आते हैं। यह पिकनिक स्पॉट बन गया है।

गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि जब इस पार्क का नामकरण करना था तो बहुत सुझाव आए, किसी ने कहा गांधी या नेहरू के नाम पर पार्क रख लो। मगर, मैनें कहा नेहरू और गांधी के नाम पर सारा हिंदुस्तान है। आजादी में नेता जी सुभाष चंद्र बोस का बहुत बड़ा योगदान है और इनको कभी याद नहीं किया गया। उन्होंने नेता जी की प्रतिमा सन 2000 में यहां लगाई। आज सारे कार्यकर्ता सारे काम छोड़कर इस दिन को याद करने से नहीं भूलते और यहां पर आकर हम नेता जी को, जिन्होंने जयहिंद का नारा दिया था, हम जय हिंद करने अवश्य आते हैं।

एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने नाथूराम गोडसे पर बनी फिल्म को बैन करने के बयान पर गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि अभी फिल्म किसी ने नहीं देखी और फिल्म देखने के बाद ही कोई कुछ कह सकता है और यही लोग विचारों की अभिव्यक्ति की आजादी की बात करते हैं तो देखना तो पड़ेगा।

यूपी के सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरित मानस पर विवादित बयान पर गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि रामचरित मानस के अंदर जो भाव दिए गए हैं, यह लोग उससे अज्ञान हैं। उन्होंने कहा कि मैं उन मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि आप रामचरित्र मानस को जानते भी है या नहीं, अगर जानते ही नहीं तो मानने न मानने का प्रश्न ही नहीं होता। आप पहले हिंदु संस्कृति, हिंदु धर्म को पढ़ों, उसको जानों और फिर अपनी राय दो। कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल प्रधान राजीव गुप्ता डिम्पल, किरणपाल चौहान, अजय पराशर, बीएस बिंद्रा, श्याम सुंदर अरोड़ा, अनिल कौशल, राम बाबू यादव, जसबीर जस्सी, ललित चौधरी, सुरेंद्र तिवारी, अजय बवेजा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

स्कूलों में बदहाली

आजादी के सात दशक बाद भी अगर देश में बहुत सारे स्कूल पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव और उससे उपजी समस्या का सामना कर रहे हों, तो शिक्षा की सूरत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

हर अध्ययन रिपोर्ट में इस समस्या को स्कूली शिक्षा में सुधार की सबसे प्राथमिक जरूरत के तौर पर दर्ज किया जाता रहा है। हालांकि शिक्षा की तस्वीर बेहतर बनाने का मकसद हमेशा ही घोषित तौर पर सभी सरकारों की कार्यसूची में सबसे ऊपर ही रहा है। मगर हकीकत यह है कि दशकों से यह एक तरह से आश्वासन ही बना हुआ है। गौरतलब है कि शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट यानी एएसईआर 2022 में फिर यह उजागर हुआ है कि देश के करीब एक चौथाई स्कूलों में आज भी पीने के पानी की सुविधा नहीं है।

इसके अलावा, लगभग इतने ही यानी एक चौथाई स्कूलों में विद्यार्थियों को शौचालय की सुविधा हासिल नहीं है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के अधिकार से जुड़े स्कूली मानकों में अगर अपेक्षित के बजाय मामूली सुधार दर्ज किया गया है तो यह कोई हैरानी की बात नहीं है।

सवाल है कि आए दिन देश की शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक आयाम देने के वादे आखिर किस बुनियाद पर पूरे किए जाएंगे! स्कूली शिक्षा को लेकर हुए अब तक के तमाम अध्ययनों यही बताया गया कि स्कूलों में शौचालय और पेजयल जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव के रहते पढ़ाई-लिखाई का बेहतर माहौल बन पाना मुमकिन नहीं है। यह कल्पना भी तकलीफदेह है कि जिन स्कूलों में पेयजल और शौचालय की सुविधा नहीं है, वहां बच्चों को प्यास लगने या लघुशंका आदि की जरूरत पड़ने पर किस तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ता होगा। खासकर लड़कियों के सामने कैसी समस्या खड़ी होती होगी।

एएसईआर की ताजा रिपोर्ट में यह भी दर्ज है कि करीब ग्यारह फीसद स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था नहीं है। ऐसे आकलन पहले भी आ चुके हैं कि स्कूली शिक्षा के दौरान लड़कियों के बीच में ही पढ़ाई छोड़ने के पीछे खासतौर पर स्कूल में शौचालय और पेयजल का अभाव एक बड़ा कारक रहा है।

यह तथ्य है कि इस तरह के अभावों की कड़ियां एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं और सब मिल कर किसी समस्या को ज्यादा जटिल बनाती हैं। पीने का पानी और शौचालय न केवल स्कूलों, बल्कि हर जगह के लिए एक प्राथमिक जरूरत है। इसके अभाव में पढ़ाई-लिखाई तो दूर, कोई भी देर तक किया जाने वाला काम सहज तरीके से संभव नहीं है। इसके अलावा, शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी के बढ़ते दखल और उस पर निर्भरता के दौर में अगर देश भर के सत्तहत्तर फीसद से ज्यादा स्कूलों में बच्चों के इस्तेमाल के लिए कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं, तो सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इतनी बड़ी तादाद में स्कूली पढ़ाई-लिखाई का हासिल क्या हो रहा होगा!

यह समझना मुश्किल है कि अन्य मामलों में ढांचागत विकास पर बेहिसाब खर्च करते हुए सरकार को स्कूलों में जरूरी सुविधाओं को पूरा करना प्राथमिक क्यों नहीं लगता है। यह कहने की जरूरत नहीं कि अगर देश में शिक्षा की सरकारी व्यवस्था इतनी व्यापक और चिंताजनक खामियों से गुजर रही है, तो ऐसे में कैसा भविष्य बनने वाला है! फिर जिस शिक्षा का अधिकार कानून के भरोसे हम इस क्षेत्र की सूरत संवारने की कल्पना करते हैं, वह मकसद कहां तक हासिल किया जा सकेगा।

आज का राशिफल

मेष: नये काम को लेकर मन में आशा के भाव अंकुरित होंगे। आज आप जहां भी रहेंगे वहाँ का माहौल बहुत ही अच्छा रहने वाला है। अपनी सफलता से आप सन्तुष्ट रहेंगे। जीवनसाथी आपको हर तरह से खुश रखने का प्रयास करेंगे। कारोबारी यात्रा सफल होने से बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है।

वृषभ: अपने व्यावसायिक कार्यों की अच्छी मार्केटिंग करने में सफलता मिलेगी। पैतृक सम्पत्ति से आपको लाभ होगा। आपके दिमाग में चंचलता हावी रहेगी। लेकिन फिर भी आप अपने काम को लेकर निष्ठावान रहेंगे। कोई पुराना झगड़ा आज सुलझ सकता है।

मिथुन: राजनीति से जुड़े लोगों को कटु आलोचना का सामना करना पड़ेगा। आय भी आज सीमित ही रहेगी। अपनी शक्तियों और अधिकारों का पर्याप्त उपयोग आप नहीं कर पा रहे हैं। बड़े अधिकारियों के साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखें। छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्या दिन भर लगी रहेगी।

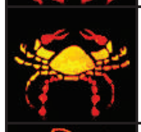
कर्क: आपके धैर्य और संयम की आज परीक्षा होने वाली है। बच्चे आपके साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं। इसीलिये आज सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। यदि आप किसी को अच्छा हितैषी समझते हैं तो वो भी शायद आपका साथ न दे पायें। आप आज जो भी काम करेंगे लोग उसमें गलतियाँ निकालेंगे। धैर्यवान रहें और सतर्क रहें।

सिंह: व्यापार को लेकर आप काफी गम्भीर रहेंगे। सभी काम योजनाओं के अनुसार होते चले जायेंगे। सहयोगी कर्मचारी आपके प्रति काफी ईमानदार रहेंगे। पति-पत्नी के आपसी सम्बन्ध बेहद मधुर रहेंगे। धर्म-कर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। बच्चों के लिये कुछ मंहगे गिफ्ट खरीद सकते हैं।

कन्या: परिवार में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मानसिक परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। इस समय अपनी योजनाओं की ठीक तरह से क्रियान्वित नहीं कर पा रहे हैं। मन में दूसरों का हित करने की भावना प्रबल रहेगी। आज आपको किसी विशेष काम को लेकर अपनी योग्यता सिद्ध करनी होगी।

तुला: कार्यक्षेत्र में आपसे द्वेष रखने वालों की संख्या बढ़ रही है। इसीलिये ऐसा कोई काम न करें जिससे आप लोगों के निशाने में आयें। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। लीवर के रोग परेशान कर सकते हैं। शाम को मित्रों के साथ गपशप का आनन्द उठायेंगे। अपनी शक्ति और अधिकारों का दुरुपयोग न करें।

वृश्चिक: आज व्यवसाय में ज्यादा फेरबदल करने से बचें। आप अनावश्यक कार्यों में समय खराब कर सकते हैं। पड़ोसियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा हो सकता है। कारोबार को लेकर कुछ असमंजस की स्थितियाँ उत्पन्न होंगी।

धनु: जॉब में महत्वपूर्ण स्थान-परिवर्तन हो सकता है। योग्य व्यक्तियों का मार्गदर्शन लेना आपके लिये हितकर सिद्ध होगा। समय पूरी तरह से आपके पक्ष का है। प्रेम सम्बन्धों की मयार्दा बनाये रखें। लोग आपके व्यक्तित्व से काफी प्रभावित रहेंगे।

मकर: आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। कुटुम्ब में कोई आयोजन हो सकता है। भावुकता में आकर कोई निर्णय न लें। आत्मकेन्द्रित होने से आपको बचना चाहिये। मित्रगण आपके प्रति गलत राय बना सकते हैं। जीवनसाथी आपकी भावनाओं का ध्यान रखेगा।

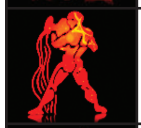
कुंभ: जीवनसाथी आपको किसी बात के लिये मनाने का प्रयास कर सकते हैं। आज आप ज्यादातर समय आराम करने के मूड में रहेंगे। परिवार के सदस्यों के समय बिताना आपको अच्छा लगेगा। अपनी जिम्मेदारियों को पूरे मनोभाव से पूर्ण करने में लगे रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है।

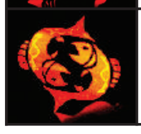
मीन: कार्यक्षेत्र में अपने प्रदर्शन को लेकर सन्तुष्ट नहीं रहेंगे। सभी कार्य धीमी गति से होंगे। कुछ विचित्र तरह की अनुभूतियाँ आज आपको हो सकती हैं। पूर्व में की गयी गलती दोबारा दोहरा सकते हैं। इसीलिये आज सतर्क रहें। शरीर में कफवृद्धि के कारण थोड़ी असहजता महसूस करेंगे।

तिल उत्सव का आखिरी व्रत कल

माघ महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को तिलकुंद चतुर्थी का व्रत किया जाता है। इसे विनायकी और वरद चतुर्थी भी कहते हैं। इस बार ये 25 जनवरी को है। इस दिन बुधवार का शुभ संयोग बन रहा है। जिससे व्रत और गणेशजी की पूजा का शुभ फल और बढ़ जाएगा। इस दिन भगवान श्रीगणेश और चंद्रमा की पूजा की जाएगी। इस व्रत को करने से जॉब और बिजनेस की परेशानियां दूर हो जाती हैं। मानसिक शांति भी मिलती है। घर में खुशहाली बढ़ती है।

शुभ योग और ग्रह स्थिति

माघी चतुर्थी पर पद्म और रवियोग बन रहे हैं। साथ ही बुधवार भी रहेगा। गणेश पुराण के मुताबिक इस वार को गणेश जी प्रकट हुए थे। वहीं, इस तिथि पर बृहस्पति भी खुद की राशि में रहेगा। ग्रह-योगों की शुभ स्थिति बनने से इस दिन किए गए व्रत और पूजा-पाठ का शुभ फल और बढ़ जाएगा।

दान का महत्व

माघ महीना होने के कारण इस चतुर्थी तिथि पर दान का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान गणेश को तिल के लड्डूओं का भोग लगाया जाता है। इसके बाद प्रसाद के रूप में इन्हें बांटा जाता है। इनके अलावा जरूरतमंद लोगों को ऊनी कपड़े, कंबल और भोजन दिया जाता है। वहीं खासतौर से तिल से बनी खाने की चीजों का दान करने से हर तरह के पाप खत्म होते हैं।

व्रत और पूजा विधि

तिलकुंद चतुर्थी पर सुबह जल्दी नहाकर साफ कपड़े पहनें। इसके बाद भगवान श्री गणेश की पूजा और व्रत का संकल्प लें। फिर पूजन करें। पूजा करते वक्त ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र बोलें और गणेश जी की मूर्ति को पंचामृत से स्नान कराएं फिर फल, फूल, चावल, रौली, मौली चढ़ाएं। इसके बाद तिल अथवा तिल-गुड़ से बनी मिठाइयों और लड्डूओं का भोग लगाएं। फिर भगवान गणेश को धूप-दीप दर्शन करवाएं। शाम को कथा सुनने के बाद गणेशजी की आरती करें।

यह है मान्यता

मान्यता है कि इस चतुर्थी के दिन व्रत रखने और भगवान गणेश की पूजा करने से जहां सभी कष्ट दूर हो जाते हैं, वहीं इच्छाओं और कामनाओं की पूर्ति भी होती है। इस दिन तिल दान करने का महत्व होता है। इस दिन गणेशजी को तिल के लड्डूओं का भोग लगाया जाता है। इसलिए इसे तिलकुंद चतुर्थी कहा जाता है।

प्रसन्नता की तलाश में जिंदगी की दौड़

आनन्द मानव जीवन का सार्वभौमिक लक्ष्य है। प्राचीन काल से ही मनुष्य प्रसन्नता की तलाश में है। लेकिन खुशी मनुष्य को आसानी से नहीं मिलती। जितना ही व्यक्ति इसके पीछे दौड़ता है, उतना ही वह उसको चकमा देती है। भगवद्गीता में आनन्द के विषय में विस्तृत रूप से चर्चा की गई है, और व्यापक कल्याण का एक स्पष्ट संदेश दिया गया है। श्रीकृष्ण ने अपने संवाद की शुरूआत में ही इस बात पर बल दिया है कि मनुष्य के जीवन में शोक का कोई स्थान नहीं है; क्योंकि मनुष्य की मूल प्रकृति है आत्मा, जो कि अविनाशी और अमर है तथा किसी भी प्रकार के दुःख से परे है।

भौतिक प्रकृति के तीन भेदों (अर्थात् गुणों) के अनुरूप आनन्द या सुख भी तीन प्रकार के कहे गए हैं। आत्मा के आत्मसात् ज्ञान से प्राप्त हुए सुख को अच्छाई के गुण वाला (अर्थात् सात्विक सुख) कहा जाता है। ऐसे आनन्द के परिणामस्वरूप सभी दुःखों का अंत हो जाता है। ऐसे सुख लंबे आध्यात्मिक अभ्यासों के बाद प्राप्त होते हैं। इन्द्रियों के अपने विषयों से सम्पर्क द्वारा उत्पन्न होने वाले सुख को रजोगुण वाला (राजसिक सुख) कहा जाता है। ऐसा सुख पहले तो अमृत जैसा प्रतीत होता है, लेकिन उसका अंतिम परिणाम विष के समान होता है। और वह जो शुरू से अंत तक आत्मा को भ्रांत करने वाला है; ऐसा सुख अज्ञानता के गुण वाला (अर्थात् तामसिक सुख) कहा जाता है। इस प्रकार, खुशी की किस्में गुणों के भेद के अनुसार परिभाषित की गई हैं। इन्द्रियों की संतुष्टि से जो सुख मिलता है उसको तामसिक सुख कहा जाता है। इस प्रकार के क्षणिक सुख व्यक्ति को प्रमाद की ओर ले जाते हैं तथा आत्मा को अज्ञान के अंधेरे में धकेल देते हैं। ऐसे सुखों में आसक्त रहने वाला तामसिक व्यक्ति जीवन भर बुरे कर्मों से बंधा रहता है।

एक राजसिक व्यक्ति अपने धन और सत्ता की शक्ति तथा कीर्ति से सुख पाता है। ऐसी खुशी शुरू में बहुत आकर्षक और मनभावन लगती है, क्योंकि यह विलास और स्वामित्व का गौरव देती है; परन्तु अंत में यह दुख का कारण साबित होती है, क्योंकि वह कभी न पूरी होने वाली अत्यधिक इच्छाओं को जन्म देती है। इस प्रकार, भौतिक सुख अल्पकालिक है।

आध्यात्मिक अभ्यास आरंभ में कष्टदायक प्रतीत होते हैं, क्योंकि ये बहुत संयम और अनुशासन की अपेक्षा रखते हैं। लेकिन अंततः वे सांसारिक दुखों के पार पहुंचा देते हैं। सात्विक सुख व्यक्ति के अपने मन की शान्ति से उत्पन्न होता है। जब व्यक्ति भौतिक सुखों की चिन्ता छोड़ देता है, तब वह अपने ही भीतर वो आनन्द पाता है जो आत्मा में हमेशा स्थित होता है। ऐसा आंतरिक सुख चिरकालिक होता है। ऐसा प्रसन्नचित्त व्यक्ति किसी भी स्थिति में अविचल रहता है।

ये तीन प्रकार के सुख एक-दूसरे के विपरीत नहीं हैं। बल्कि सभी प्रकार के सुख मिलकर ही किसी व्यक्ति के जीवन को सुखमय बनाते हैं। जीवन में आनन्द की ओर ले जाने वाले दो मार्ग हैं, एक है ह्यसुगमह्न लेकिन हानिकारक और दूसरा ह्यदुर्गमह्न लेकिन हितकार। ये क्रमशः क्षणिक तथा चिरकालिक सुख के मार्ग हैं।

आनन्दपूर्वक जीवन जीने का एक अनिवार्य नियम है मन की समता। व्यक्ति को पूर्ण समभाव की प्रवृत्ति विकसित करनी चाहिए तथा जो भी उसे मिले, वह सहर्ष स्वीकार करना चाहिए। वो ज्ञानी पुरुष जो समभाव से युक्त होते हैं और जो कर्मों के फल को त्याग देते हैं, वे उस आनन्दमय स्थिति को प्राप्त कर लेते हैं, जो किसी भी दुख से परे हैं।

सफलता के लिए मन की शांति जरुरी

सफलता हासिल करने के लिए मन का शांत होना आवश्यक है। एक अशांत और चिंतित मन से बेहतर परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकते। अशांत मन किसी भी काम पर पूरा फोकस नहीं कर पाता, जिससे कोई भी कार्य अपने सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाता। अगर जीवन में शांति है तो आप संसार के सबसे सुखी व्यक्ति हैं।

किसी भी समाज में शांति को व्यक्ति से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। कभी-कभी व्यक्ति समस्त भौतिक सुखों को पाकर भी संतुष्ट नहीं हो पाता है, क्योंकि जब तक हम मानसिक रूप से शांत नहीं रहते तब तक कोई भौतिक वस्तु हमें सुख-शांति नहीं दे सकती है। कभी-कभी व्यक्ति की प्रसिद्धि भी उसकी शांति का नाश कर देती है। क्योंकि प्रसिद्धि को बनाए रखने में व्यक्ति अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा लगाता है। कुछ समय तक तो वह लोकप्रियता उसे खुशी अवश्य देती है, परंतु उसके बाद उसे उससे खीझ और बोरियत महसूस होने लगती है।

मन को शांत रखना जीवन के लिए अतिआवश्यक है क्योंकि उसके बिना जीवन-पथ निरर्थक साबित हो जाता है। मानव के निर्माण में मन काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि मनुष्य का मन उसके मोक्ष और बंधन का कारक होता है। बहुत से लोगों की आदत होती है कि वो पुरानी बातों को सालों साल तक याद रखते हैं और उन पर सोचते रहते हैं। किसी ने कुछ कड़वी बात कह दी तो उसे लम्बे समय तक दिमाग में रखना और उस पर सोचते ही रहना मन की शांति को बिगड़ने के लिए पर्याप्त है। इसलिए कड़वी बातों को अधिक समय तक मन में न रखें। इसके बजाय आप कुछ अच्छी और मधुर स्मृतियों के बारे में सोच सकते हैं जो मन को अच्छी लगें।

मन को शांत रखने के बारे में एक बार दलाई लामा ने कहा था, ह्यवृक्ष काटकर, पशुओं को मारकर तथा खून की नदी बहा कर ही यदि स्वर्ग प्राप्त होता है तो नर्क किसे प्राप्त होगा? विभिन्न मतों के अनुयायियों को एक-दूसरे के विश्वास तथा मूल्यों का सम्मान करना चाहिए।

जिंदगी की मूल वास्तविकता यह जानना होता है कि हमें क्या करने से शांति मिलती है? बहुत अधिक धन कमा लेने मात्र से व्यक्ति धनी तो हो सकता है लेकिन मन को शांत नहीं कर पाता है। यदि इस कथन में सत्यता है तो गरीबों को सूखी रोटी और टूटी खाट पर कभी सुकून की नींद नहीं आती। सब भौतिक वस्तुओं को पा लेने के बाद भी व्यक्ति अपने जीवन के अंत में शांति की खोज में परमात्मा को पुकारता है।

30 जनवरी तक है गुप्त नवरात्रि

देवी साधना का ये पर्व 30 जनवरी तक रहेगा। साल में दो बार गुप्त और दो बार प्रकट नवरात्रि आती है। गुप्त नवरात्रि देवी की दस महाविद्याओं की साधना की जाती है। महाविद्याओं की साधना के नियम बहुत कठिन हैं, इन साधनाओं में किसी भी तरह की कोई गलती नहीं होनी चाहिए। इसलिए गुप्त नवरात्रि में की जाने वाली साधनाएं किसी विशेषज्ञ ब्राह्मण के मार्गदर्शन में ही करनी चाहिए। दस महाविद्याएं देवी सती के क्रोध से प्रकट हुई थीं। सती माता प्रजापति दक्ष की पुत्री थीं। दक्ष शिव जी को पसंद नहीं करते थे। दक्ष एक यज्ञ कर रहे थे, उन्होंने यज्ञ में शिव जी को छोड़कर सभी देवी-देवताओं, ऋषि मुनियों को बुलाया था। देवी सती मालूम हुआ कि उनके पिता यज्ञ कर रहे हैं तो उन्होंने भी पिता के यहां जाने की तैयारी कर ली। सती ने शिव जी से कहा कि वे अपने पिता के यहां यज्ञ में जाना चाहती हैं। शिव जी ने सती माता से कहा कि हमें यज्ञ में बुलाया नहीं गया है। इसलिए हमें वहां नहीं जाना चाहिए। देवी सती बोलीं कि पिता के यहां जाने के लिए किसी भी आमंत्रण की जरूरत ही नहीं है। शिव जी ने बहुत समझाया, लेकिन सती पिता के यहां जाने की जिद कर रही थीं। शिव जी देवी सती को रोक रहे थे, इससे देवी क्रोधित हो गईं और भयंकर रूप धारण कर लिया। शिव जी देवी को क्रोधित देखकर वहां से जाने लगे तो दसों दिशाओं से माता सती के दस अलग-अलग रूप प्रकट हो गए। इन दस रूपों को ही दस महाविद्या कहा जाता है। शिव जी के मना करने के बाद भी देवी सती अपने पिता दक्ष के यहां यज्ञ में शामिल होने के लिए पहुंच गई। यज्ञ में प्रजापति दक्ष ने सती के सामने ही शिव जी का अपमान करना शुरू कर दिया। देवी सती ये सहन नहीं कर सकीं और यज्ञ कुंड में कूदकर देह त्याग दी थी।

ये हैं दस महाविद्याओं के नाम

काली, तारा, त्रिपुरासुंदरी (षोडशी), भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुराभैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला।

ऑस्ट्रेलिया में एक महीने के भीतर तीसरे हिंदू मंदिर में तोड़फोड़, खालिस्तान जिंदाबाद के लगाए गए नारे

मेलबर्न के अल्बर्ट पार्क में स्थित इस्कॉन मंदिर के प्रबंधन को हरे कृष्ण मंदिर के रूप में भी जाना जाता है

दर्पण न्यूज सर्विस

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में लगातार हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है। देश के विक्टोरिया राज्य में ही एक महीने के भीतर तीसरे हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना घटी है। मेलबर्न के अल्बर्ट पार्क में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) मंदिर के भीतर स्थित भित्तिचित्रों को भारत विरोधी नारों के साथ सोमवार सुबह तोड़-फोड़ की गई।

इस घटना को खालिस्तानी समर्थकों ने अंजाम दिया। बता दें कि मंदिर की दीवार पर खालिस्तानी जिंदाबाद के नारे लिखे गए थे। सोमवार को एक मीडिया रिपोर्ट में इस घटना की जानकारी दी गई। मेलबर्न के अल्बर्ट पार्क में स्थित इस्कॉन मंदिर के प्रबंधन को हरे कृष्ण मंदिर के रूप में भी जाना जाता है।

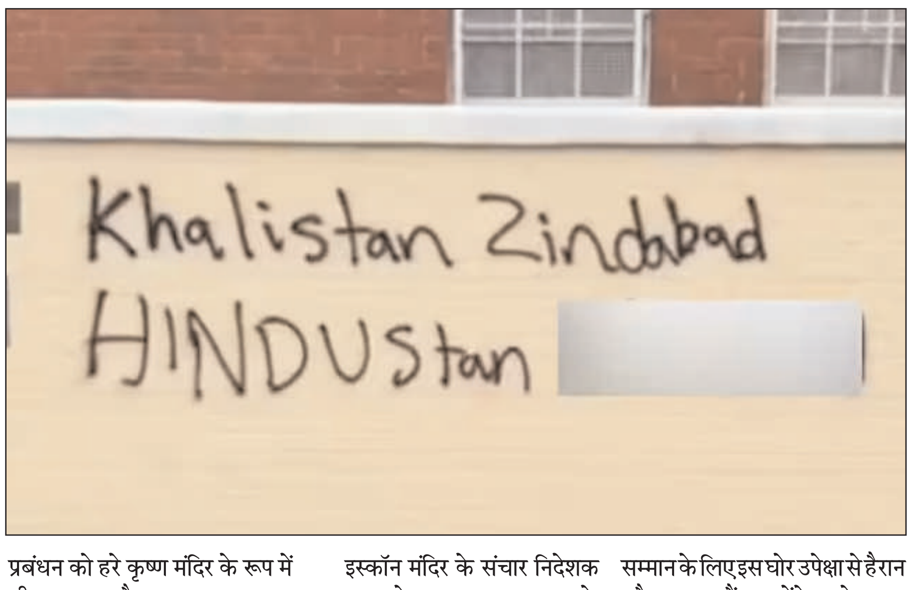

इस्कॉन मंदिर के संचार निदेशक भक्त दास ने कहा, हम पूजा स्थल के सम्मान के लिए इस घोर उपेक्षा से हैरान और नाराज हैं। उन्होंने आगे कहा, विक्टोरिया पुलिस में एक शिकायत दर्ज की गई है और अपराधियों की तलाश में उनकी सहायता के लिए सीसीटीवी फुटेज प्रदान किए जा रहे हैं। आपको बता दें कि एक महीने के भीतर देश में इस तरह की यह तीसरी घटना है।

विक्टोरिया के कैरम डाउन्स में 16 जनवरी को ऐतिहासिक श्री शिव विष्णु मंदिर में भी इसी तरह से तोड़फोड़ की गई थी। वहीं 12 जनवरी को, मेलबर्न में स्वामीनारायण मंदिर को असामाजिक तत्वों द्वारा भारत विरोधी भित्तिचित्रों को क्षतिग्रस्त किया गया था। विक्टोरिया के कार्यवाहक प्रीमियर जसिंटा एलन ने विदेशी अखबार को बताया, सभी विक्टोरियाई लोग नस्लवाद, निंदा और घृणा से मुक्त अपने विश्वास का पालन करने के लायक हैं। उन्होंने कहा, यह व्यवहार अधिकांश विक्टोरियाई लोगों के प्रति चिंतनशील नहीं है। विक्टोरिया की विविधता हमारी सबसे मजबूत संपत्तियों में से एक है, और हम इन हमलों की निंदा करते हैं।

इस्कॉन मंदिर पर यह हमला विक्टोरियन बहु-विश्वास नेताओं की विक्टोरियन बहुसांस्कृतिक आयोग के साथ एक आपातकालीन बैठक के ठीक दो दिन बाद हुआ, जिसके बाद खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हिंदू नफरत फैलाने के खिलाफ निंदा का बयान जारी किया गया था। विक्टोरियन लिबरल पार्टी के सांसद ब्रैड बैटिन ने द ऑस्ट्रेलिया टुडे को बताया, ये घटिया है। हमें ऐसा नहीं होने देना चाहिए।

पाकिस्तान की बिजली गुल...इस्लामाबाद, कराची समेत देश का बड़ा हिस्सा अंधेरे में

दर्पण न्यूज सर्विस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में राष्ट्रीय ग्रिड में खराबी के कारण सोमवार को बड़े पैमाने पर बत्ती गुल रही जिससे राजधानी इस्लामाबाद और वित्तीय हब कराची समेत मुल्क के बड़े हिस्से में लाखों लोग बिना बिजली के रहे। ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय ग्रिड में स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजकर 34 मिनट पर खराबी आ गई जिससे बत्ती गुल हो गई। मंत्रालय ने ट्वीट किया, प्रणाली को ठीक करने का काम चल रहा है। ऊर्जा मंत्री खुर्रम दस्तगीर ने कहा कि मरम्मत का काम चल रहा है। जियो न्यूज ने उनके हवाले से कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि देशभर में अगले 12 घंटे में बिजली पूरी तरह बहाल कर दी जाएगी। दस्तगीर ने बिजली प्रणाली में खराबी आने के बारे में कहा कि प्राधिकारियों ने ईंधन की लागत बचाने के लिए सर्दियों में कम मांग के कारण रात में बिजली उत्पादन प्रणाली बंद कर दी थी। उन्होंने कहा कि लेकिन सुबह जब प्रणाली चालू की गई तो दादू और जमशोरो के बीच कहीं फ्रीक्वेंसी तथा वोल्टेज में उतार-चढ़ाव देखा गया जिससे बिजली उत्पादन प्रणाली बंद हो गई। पाकिस्तान की वित्तीय राजधानी कराची में लोग जब आज सुबह उठे तो घर में बत्ती गुल थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान के अन्य शहरों में भी बिजली बड़े पैमाने पर गुल रही लेकिन कराची पर इसका सबसे ज्यादा असर हुआ। करीब 23 लाख से अधिक आबादी वाले कराची शहर में कुछ लोगों को पीने का पानी नहीं मिला क्योंकि पानी के पंप बिजली से चलते हैं।

तुर्की में 14 मई को होंगे चुनाव, राष्ट्रपति एर्दोगन ने किया एलान

दर्पण न्यूज सर्विस

अंकारा। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने रविवार को घोषणा की है कि इस बार देश में चुनाव 14 मई 2023 को होंगे। तुर्की के राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा रविवार को जारी किए गए एक वीडियो के अनुसार, इस बार चुनाव निर्धारित समय से एक महीने पहले 14 मई को होंगे।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन फिर से चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने उत्तर-पश्चिमी बर्सा प्रांत में शनिवार को युवा सम्मेलन के दौरान इसकी घोषणा की है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा राष्ट्रपति रेसेप तैयप का एक वीडियो भी जारी किया गया है। एर्दोगन ने कहा मैं भगवान का धन्यवाद करता हूं कि हम हमारे मूल्यवान युवाओं के साथ अपना रास्ता साझा करने वाले हैं, जो 14 मई को होने वाले चुनावों में पहली बार मतदान करेंगे। राष्ट्रपति एर्दोगन ने बर्सा में कहा कि वह 10 मार्च को औपचारिक आह्वान करेंगे, जिसके बाद तुर्की की सर्वोच्च चुनाव परिषद चुनाव की तैयारी करेगा। अगर किसी उम्मीदवार को 50 फीसदी से ज्यादा वोट नहीं मिलते हैं तो 28 मई को दूसरे चरण का मतदान होगा। बता दें कि तुर्की के राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव 18 जून को होने वाले थे, लेकिन राष्ट्रपति एर्दोगन ने पहले संकेत दिया था कि चुनाव को पहले कराया जा सकता है।

बताते चलें कि एर्दोगन 2003 से सत्ता पर काबिज हैं। उन्होंने पहले देश के प्रधानमंत्री के रुप में जिम्मेदारी संभाली, साल 2014 के बाद से राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रपति एर्दोगन अपने सबसे कठिन चुनाव का सामना कर रहे हैं, क्योंकि तुर्की की अर्थव्यवस्था बढ़ती मुद्रास्फीति के साथ संघर्ष कर रही है। जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि संसदीय और राष्ट्रपति चुनाव इस बार काफी अहम होंगे। दो दशकों में राष्ट्रपति एर्दोगन के लिए इस बार सबसे बड़ी परीक्षा होगी। इससे पहले 14 मई के चुनाव की तारीख को लेकर भी विपक्षी गठबंधन द्वारा समर्थन किया गया है। हालांकि, छह दलों के विपक्षी गठबंधन ने अभी तक राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार तय नहीं किया है। जो एर्दोगन को टक्कर दे पाए। इससे पहले तुर्की में प्रधानमंत्री के पास ही ताकत होती थी, लेकिन एर्दोगन ने प्रधानमंत्री का पद खत्म कर दिया और देश में राष्ट्रपति की प्रथा को शुरू किया। नई व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव एक ही दिन होते हैं।

इस्लाम कबूल न करने पर हिंदू लड़की से रेप

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अगवा की गई एक विवाहित हिंदू लड़की ने कहा है कि उसके अपहताओं ने इस्लाम कबूल करने के लिए उसे धमकी दी और धर्म परिवर्तन से इनकार करने पर उससे दुष्कर्म किया।

लड़की ने सोशल मीडिया पर अपलोड एक वीडियो में कहा कि उमरकोट जिले के समारो शहर में उससे बलात्कार किया गया और पुलिस ने अभी तक संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया है। हिंदू समुदाय के एक स्थानीय नेता ने कहा, लड़की और उसका परिवार थाने के बाहर बैठे हैं, लेकिन अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। लड़की पहले से ही शादीशुदा है। हिंदू लड़कियों का अपहरण और जबरन धर्मांतरण सिंध के भीतरी इलाकों में एक बड़ी समस्या बन गया है। मुख्य रूप से थार, उमरकोट, मीरपुरखास, घोटकी और खैरपुर क्षेत्रों में हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं।

पांच भारतीय नागरिकों के शवों की पहचान, परिजन को सौंपे गए पार्थिव शरीर

दर्पण न्यूज सर्विस

काठमांडू। नेपाल के पोखरा शहर में यति एयरलाइंस के विमान हादसे में मारे गए सभी पांच भारतीयों के शवों की पहचान कर ली गई है और उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। पांच भारतीयों की पहचान अभिषेक कुशवाहा (25), विशाल शर्मा (22), अनिल कुमार राजभर (27), सोनू जायसवाल (35) और संजय जायसवाल (26) के रूप में की गई है। सोमवार को सोनू जायसवाल के शव की शिनाख्त हुई।

डॉक्टरों ने रविवार को पीड़ितों के परिवारों द्वारा उपलब्ध कराए गए सबूतों के आधार पर अनिल कुमार राजभर और अभिषेक कुशवाहा के शवों की पहचान की। शनिवार को विशाल शर्मा के शव की शिनाख्त हुई।

त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल के सूत्रों के मुताबिक, अस्पताल ने सोमवार को सोनू जायसवाल, अनिल कुमार राजभर, अभिषेक कुशवाहा और विशाल शर्मा के शव उनके परिजनों को सौंप दिए। परिवार के एक सदस्य ने फोन पर बताया कि शव लेने के बाद परिजन भारत के लिए रवाना हो गए। संजय जायसवाल का शव उनके परिवार को सौंप दिया गया और पिछले सप्ताह भारत वापस ले जाया गया था।

बता दें दुर्घटनास्थल से अब तक 71 शव बरामद किए जा चुके हैं और शेष एक व्यक्ति की तलाश की जा रही है। नेपाल के नागरिक उड्डयन निकाय के अनुसार, अगस्त 1955 में पहली आपदा दर्ज किए जाने के बाद से देश में हवाई दुर्घटनाओं में 914 लोग मारे गए हैं।

पोखरा में यति एयरलाइंस त्रासदी नेपाली आसमान में 104 वीं दुर्घटना है और हताहतों की संख्या के मामले में तीसरी सबसे बड़ी दुर्घटना है।

अमेरिका में छंटनी की मार, हजारों आईटी पेशेवर मुश्किल में 60 दिन में नहीं मिली नयी नौकरी तो लौटना होगा स्वदेश!

दर्पण न्यूज सर्विस

वॉशिंगटन। अमेरिका में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों में हाल में हुई छंटनी के बाद बेरोजगार हो चुके आईटी क्षेत्र के हजारों भारतीय पेशेवर अब इस देश में रहने के लिए अपने कामकाजी वीजा के तहत निर्धारित अवधि के भीतर नया रोजगार पाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक पिछले वर्ष नवंबर से आईटी क्षेत्र के करीब दो लाख कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है। इनमें रिकॉर्ड संख्या में कटौती करने वाली कंपनियों में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक और अमेजन हैं। सूत्रों ने बताया कि नौकरियों से निकाले गए लोगों में से 30 से 40 फीसदी भारतीय आईटी पेशेवर हैं। इनमें बड़ी संख्या एच-1बी या एल1 वीजा पर यहां आए लोगों की है। अब ये लोग अमेरिका में बने रहने के लिए विकल्प की खोज में हैं और नौकरी जाने के बाद विदेशी कामकाजी वीजा के तहत मिलने वाले कुछ महीनों की निर्धारित अवधि में नया रोजगार तलाशने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिससे अपनी वीजा स्थिति को भी बदल सकें। अमेजन में काम करने के लिए गीता (नाम परिवर्तित) महज तीन महीने पहले यहां आई थीं। इस सप्ताह उन्हें बताया गया कि 20 मार्च उनके कार्यकाल का अंतिम दिन होगा। एच-1बी वीजा पर अमेरिका आई एक अन्य आईटी पेशेवर को माइक्रोसॉफ्ट ने 18 जनवरी को बाहर का रास्ता दिखा दिया। वह कहती हैं, स्थिति बहुत खराब है। जो लोग एच-1बी वीजा पर यहां आए हैं, उनके लिए तो स्थिति और भी विकट है, क्योंकि उन्हें 60 दिन के भीतर नयी नौकरी ढूंढ़नी होगी या फिर भारत लौटना होगा। सिलिकॉन वैली में उद्यमी और सामुदायिक नेता अजय जैन भूतोड़िया ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र के हजारों कर्मचारियों को नौकरियों से निकाला जा रहा है, विशेषकर एच-1बी वीजा पर आए लोगों के लिए तो चुनौतियां और भी बड़ी हैं। ग्लोबल इंडियन टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (जीआईटीपीआरओ) और फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने इन आईटी पेशेवरों की मदद करने के लिए रविवार को एक सामुदायिक पहल शुरू की।

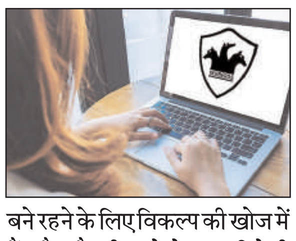

लॉस एंजेलिस गोलीबारी के संदिग्ध ने खुद को वैन में मारी गोली

दर्पण न्यूज सर्विस

लॉस एंजेलिस। लॉस एंजेलिस गोलीबारी के संदिग्ध ने खुद को गोली मार ली है। जानकारी के अनुसार पुलिस का कहना है कि लॉस एंजेलिस सामूहिक गोलीबारी के संदिग्ध ने पुलिस द्वारा घेरे जाने के बाद खुद को वैन में गोली मार ली है।

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। लॉस एंजेलिस गोलीबारी के संदिग्ध ने खुद को गोली मार ली है। जानकारी के अनुसार, पुलिस का कहना है कि लॉस एंजेलिस सामूहिक गोलीबारी के संदिग्ध ने पुलिस द्वारा घेरे जाने के बाद खुद को वैन में गोली मार ली है।

बता दें कि अमेरिका के लॉस एंजेलिस के बॉलरूम डांस क्लब में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस गोलीबारी में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है। जिसके बाद से ही पुलिस घटना के आरोपी की तलाश कर रही थी। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने संदिग्ध की घेराबंदी की थी। जिसके बाद उसने पुलिस से बचने के लिए खुद को वैन में ही गोली मार ली।

लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ रॉबर्ट लूना ने मृत व्यक्ति की पहचान 72 वर्षीय हू कैन ट्रान के रूप में की और कहा कि कोई अन्य संदिग्ध फरार नहीं है। उन्होंने कहा कि हमले का मकसद स्पष्ट नहीं है, जिसमें 10 लोग मारे गए और कई घायल हुए।

पुलिस को एक मैगजीन से भरी सेमी-ऑटोमैटिक असॉल्ट पिस्टल भी वैन में मिली है, पुलिस को संदेह है कि इसी से ही लॉस एंजेलिस में घटना को अंजाम दिया गया था। हालांकि, पुलिस की ओर से इसे लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है।

वहीं, राष्ट्रपति बाइडन ने भी घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि वह और प्रथम महिला जिल बाइडन उन लोगों के बारे में सोच रहे हैं, जो गोलीबारी में मारे गए और घायल हुए हैं। राष्ट्रपति ने संघीय अधिकारियों को जांच का समर्थन करने का निर्देश दिया है। वहीं, लॉस एंजेलिस घटना पर कांग्रेस महिला जूडी चू ने कहा मेरे मन में अभी भी कई सवाल हैं, इस शूटर का मकसद क्या था? क्या उसे कोई मानसिक बीमारी थी? क्या वह एक घरेलू हिंसा दुर्व्यवहार करने वाला था? उसे ये बंदूकें कैसे मिलीं और क्या यह कानूनी माध्यम से थी या नहीं।

बता दें कि कैलिफोर्निया प्रांत के लॉस एंजिलिस के पूर्व में स्थित मोंटेरे पार्क शहर में शनिवार रात हुई गोलीबारी में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हो गए। यह घटना रात करीब 10.20 बजे की है। 60,000 निवासियों वाले शहर मोंटेरे पार्क में बड़ी संख्या में एशियाई आबादी रहती है। एक चश्मदीद ने बताया कि तीन लोग उसके रेस्तरां में भागते हुए आए और उसे दरवाजा बंद करने को कहा। उन्होंने बताया कि इलाके में मशीन गन लिए एक शख्स है जो गोलीबारी कर रहा है।

मशीन गन से बरसाईं गोलियां, चश्मदीदों ने बताया पूरा हाल

मोंटेरे पार्क। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के लॉस एंजिलिस से शनिवार की देर रात हुई गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोगों के घायल होने की आशंका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। गोलीबारी कहां पर हुई? पुलिस अधिकारियों का क्या कुछ कहना है ? आप लोगों के मन में भी ऐसे ही सवाल चल रहे होंगे। ऐसे में इस स्टोरी के माध्यम से आप लोगों को सवालों जवाब मिल जाएंगे। लॉस एंजिलिस के मोंटेर पार्क में शनिवार को चीनी चंद्र नव वर्ष का जश्न मनाया जा रहा था, जहां पर एक हमलावर ने अंधाधुंध गोलीबारी की। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग के सार्जेंट बॉब बोस ने बताया कि मोंटेरे पार्क के गारवे एवेन्यू में एक हमलावर ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। रिपोर्ट में कानून प्रवर्तन सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया गया कि समारोह स्थल के पास स्थानीय समयानुसार रात करीब 10 बजे गोलीबारी हुई। अंधाधुंध गोलीबारी की घटना में 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई घायल हो गए। जिसके बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, पुलिस घायलों की सही संख्या बताने में भी सक्षम नहीं है। घटनास्थल के पास स्थित एक रेस्त्रां मालिक सेउंग वोन चोई ने बताया कि तीन लोग उनके रेस्त्रां में आकर दरवाजा बंद करने के लिए बोला। उन लोगों ने बताया था कि मशीन गन लिए हुए एक हमलावर के पास कई राउंड की गोलियां भी मौजूद हैं। सबसे बड़े आयोजनों में से एक चंद्र नव वर्ष उत्सव की शुरूआत को लेकर शनिवार को हजारों लोग एकत्रित हुए। गोलीबारी की घटना से पहले लोग चाइनीज फूड का लुत्फ उठा रहे थे और गहनों की खरीदारी में जुटे थे। सोशल मीडिया पर छाए वीडियो में गार्वे एवेन्यू पर पुलिस और दमकल इकाइयां की मौजूद हैं। साथ ही पीड़ितों का इलाज किया जा रहा है। 60,000 निवासियों वाले शहर मोंटेरे पार्क में बड़ी संख्या में एशियाई लोग रहते है और यह शहर लॉस एंजिल्स से करीब 16 किलोमीटर दूर स्थित है। पुलिस गोलीबारी की घटना की छानबीन में जुटी हुई है और कई टीमें हमलावर की तलाश कर रही हैं। अमेरिका गोलीबारी की घटनाओं से लगातार जूझता रहा है और वहां पर आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं।

संक्षिप्त-समाचार

वर में 24 घंटे के भीतर दूसरी बार हुई फायरिंग, लुइसियाना के नाइट क्लब में गोलीबारी

बैटन रूज। अमेरिका के लुइसियाना प्रांत के बैटन रूज के एक नाइट क्लब में रविवार देर रात हुई गोलीबारी में 12 लोग घायल हो गए। लुइसियाना के अधिकारियों का कहना है कि घायल व्यक्तियों में एक की हालत गंभीर है। अन्य घायलों की हालत स्थिर है। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, गोलीबारी की यह घटना रात डेढ़ बजे डायोर बार एंड लाउंज में हुई। चूंकि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, इसलिए घटना के कारणों का पता भी नहीं चल पाया है। घटना की जांच की जा रही है और जल्द ही कुछ सुराग हाथ लगने की संभावना है। बता दें कि अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के लॉस एंजिलिस शहर में शनिवार को गोलीबारी की घटना सामने आई थी। जिसमें 10 लोगों की मौत हुई है। जानकारी के अनुसार, चीनी न्यू ईयर फेस्टिवल के दौरान अंधाधुंध गोलीबारी हुई थी। जिसमें 10 लोगों की मौत हुई और 10 के करीब लोग घायल हुए है। बता दें कि साल 2022 में भी अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं सामने आई थी। अब साल 2023 में भी अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बीते सप्ताह भी अमेरिका में गोलीबारी की कई घटनाएं देखने को मिली, जिसमें सात लोगों की मौत हुई थी। जबकि 8 लोग घायल हुए थे। ये घटनाएं अमेरिका में अलग-अलग जगह घटित हुई थी।

रूसी विदेश मंत्री ने यूक्रेन पर साधा निशाना, कहा- दबाव में कीव कर रहा शांति वार्ता को खारिज

प्रिटोरिया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन शांति वार्ता को खारिज कर रहा है। यह संघर्ष जितना अधिक समय तक जारी रहेगा, इसे हल करना उतना ही कठिन होगा। रूस ने बार-बार कहा है कि वह वार्ता के लिए तैयार है लेकिन यूक्रेन और संयुक्त राज्य अमेरिका का कहना है कि उन्हें मॉस्को से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है। लावरोव ने कहा कि रूस बातचीत के बारे में गंभीर है। रवैये (यूक्रेनियन) जितनी देर मना करेंगे, इस संघर्ष को खत्म करना उतना ही कठिन होगा। प्रिटोरिया की यात्रा पर गए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा मास्को कोई घोटाले नहीं चाहता। वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन को संघर्ष जारी रखने के लिए मिल रहें अन्य देशों के सहयोग में भी बढ़ोतरी हो रही हैं। जर्मनी ने कहा वह यूक्रेन का समर्थन जारी रखेगा। यह बात जर्मनी के चांसलर ओलफ शुल्ज ने कही है। लेकिन यूक्रेनी सेना के लिए जर्मन लेपर्ड टू टैंक भेजने के विषय में उन्होंने कुछ नहीं कहा है। ब्रिटेन, लातविया, लिथुआनिया और एस्टोनिया ने जर्मनी से यूक्रेन को टैंक भेजने का अनुरोध किया है। इन देशों ने यह अनुरोध शुक्रवार को सहयोगी देशों की बैठक में यूक्रेन को टैंक भेजने पर सहमति न बन पाने के बाद किया था।

यूक्रेन को लैपर्ड टैंक भेज सकता है पोलैंड, पीएम मोराविकी ने कहा- जर्मनी से मांगी जाएगी अनुमति

वारसॉ। रूस और यूक्रेन से बीच जारी युद्ध का अब दो साल पूरा होने वाले है। इस बीच यूक्रेन को रूस के साथ युद्ध में बने रहने के लिए अमेरिका सहित कई पश्चिमी देश युद्धक टैंक और हथियार समेत आर्थिक मदद की है। पोलैंड के प्रधानमंत्री माटुस्ज मोराविकी ने सोमवार को कहा कि पोलैंड की सरकार यूक्रेन को लैपर्ड टैंक भेजने के लिए जर्मनी से अनुमति मांगेगी। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस बारे में जर्मनी से अनुरोध कब किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेलौंड यूक्रेन को लैपर्ड टैंक भेजने के लिए तैयार हुए कई देशों का गठबंधन बना रहा है। यूक्रेन और संयुक्त राज्य अमेरिका का कहना है कि उन्हें मॉस्को से बातचीत का कोई संकेत नहीं मिला हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री मोराविकी ने कहा कि इस बारे में अगर जर्मनी से किसी प्रकार की अनुमति नहीं मिलती है तो वारसॉ अपना फैसला खुद लेगा। हालांकि उन्होंने इस बारे विस्तार से किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी है। मालूम हो कि जर्मनी के विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक ने फ्रांसीसी टीवी चैनल एलसीआई को बताया कि पोलैंड अपने कुछ जर्मन निर्मित लैपर्ड टैंक को औपचारिक रूप से यूक्रेन को भेजने के लिए बर्लिन की मंजूरी नहीं मांगी है। हालांकि उन्होंने आगे कहा, अगर हमसे इस बारे में पूछा जाएगा तो हम इसके रास्ते में आड़े नहीं आएंगे। विदेश मंत्री बेयरबॉक के टिप्पणियों के बारे में मोराविकी ने कहा कि दबाव बनाना समझ में आता है और उनके शब्द उम्मीद की चिंगारी जैसी ही कि इस संबंध में जर्मनी भी गणबंधन में भाग ले सकता है। मालूम हो कि इससे पहले जर्मनी के चांसलर ओलफ शुल्ज ने कहा था कि रूस से लड़ रहे यूक्रेन का समर्थन जर्मनी जारी रखेगा। लेकिन यूक्रेनी सेना के लिए जर्मन लेपर्ड टू टैंक भेजने के विषय में उन्होंने कुछ नहीं कहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक का शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत बढ़कर 373 करोड़ रुपये पर पहुंचा

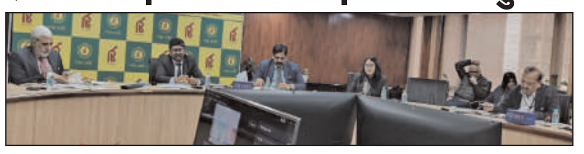

चंडीगढ़। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत बढ़कर 373 करोड़ रुपये हो गया। ब्याज आय बढ़ने और फंसे कर्जों में कमी आने से बैंक का लाभ बढ़ा है। बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई एक सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान अवधि में उसका लाभ 301 करोड़ रुपये रहा था। अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही में बैंक की कुल आय 2,245 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले की समान तिमाही में 2,042 करोड़ रुपये थी। आलोच्य अवधि में बैंक की ब्याज आय 2,107 करोड़ रुपये हो गई जबकि दिसंबर 2021 की तिमाही में यह 1,871.18 करोड़ रुपये थी। इस दौरान उसकी शुद्ध ब्याज आय 758 करोड़ रुपये से बढ़कर 805 करोड़ रुपये हो गई। बीती तिमाही में बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर 8.36 प्रतिशत हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 14.44 प्रतिशत था। शुद्ध एनपीए भी 3.01 प्रतिशत से घटकर 2.02 प्रतिशत पर आ गया। हालांकि दिसंबर तिमाही में बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात घटकर 15.57 प्रतिशत हो गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 17.82 प्रतिशत था। इस अवधि में बैंक का कुल कारोबार सालाना आधार पर 12.08 प्रतिशत बढ़कर 1,87,242 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में पंजाब एंड सिंध बैंक का शुद्ध लाभ 856 करोड़ रुपये हो गया जबकि अप्रैल-दिसंबर 2021 की अवधि में यह 693 करोड़ रुपये रहा था।

ब्राजील में कुपोषण और अन्य बीमारियों से जा रही है बच्चों की जान, मेडिकल इमरजेंसी घोषित

ब्रसीलिया। ब्राजील में कुपोषण और अन्य बीमारियों से आए दिन बच्चों की जान जा रही है। इसको देखते हुए देश की स्वास्थ्य मंत्रालय ने यानोमामी क्षेत्र में मेडिकल इमरजेंसी घोषित कर दी है। बताया जा रहा है कि अवैध सोने के खनन की वजह से बच्चों में इस तरह की बीमारियां फैली हैं। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा की सरकार ने शुक्रवार को कहा था कि इस घोषणा का उद्देश्य यानोमामी लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। पिछले चार सालों में 570 यानोमामी बच्चों ने कुपोषण के अलावा मलेरिया और डायरिया से अपनी जान गंवा दी है। दरअसल, सोने की खदान में मर्करी का उपयोग किया जाता है।

भर्तियों में भाजपा ने किया धोखा, अब युवाओं के साथ न्याय होगा: मुकेश अग्निहोत्री

दर्पण न्यूज सर्विस

ऊना। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि भर्तियों में युवाओं के साथ धोखा भाजपा ने किया। कांग्रेस पहले से कहती आ रही थी कि प्रदेश में पेपर लीक हो रहे हैं और नौकरियां बिक रही हैं। अब यह साबित हो गया है। जल्द ही नई व्यवस्था होगी और युवाओं के साथ खिलवाड़ नहीं होगा। भाई-भतीजावाद बंद होगा और मेरिट पर नौकरियां व युवाओं को न्याय मिलेगा।

शुक्रवार को ऊना के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विधानसभा का पहला सत्र 4, 5 व 6 जनवरी को बुलाया गया है जिसमें नवनियुक्त विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। नए स्पीकर का चुनाव होगा और उसके साथ ही राज्यपाल का अभिभाषण होगा। छोटा सत्र है और इसमें जो होगा, उसका एजेंडा तय है। मंत्रिमंडल का गठन करना मुख्यमंत्री का अधिकार है। वह इसका जल्द गठन करेंगे। देश के नामी घरानों की करोड़ों रुपये की गाड़ियों का पंजीकरण किया जाना बड़ा स्कैम है। इसका जल्द ही भंडाफोड़ किया जाएगा क्योंकि पूरे देश में वाहनों के पंजीकरण बंद होने के बाद हिमाचल में काफी गाड़ियां अन्य राज्यों के रसूखदार लोगों की औने-पौने दाम पर पंजीकृत की गई हैं। इसकी जांच के आदेश जारी किए हैं। जैसे ही रिपोर्ट आएगी, नियमानुसार कार्रवाई होगी।

इसके अलावा सरकार नशा व खनन माफिया पर निर्णायक कार्रवाई करेगी। खनन माफिया व नशे के सरगनाओं को संदेश है कि वे हिमाचल में अब अपना कारोबार बंद कर दें। पुलिस को खुली छूट है नशे व खनन पर कोई भी समझौता नहीं होगा। भाजपा की सरकार ने माफिया के राज को संरक्षण दिया है, अब किसी प्रकार के माफिया को संरक्षण नहीं होगा। जलशक्ति विभाग में जो टेंडर बड़े स्तर पर कर दिए गए हैं उस पर रिपोर्ट तलब कर ली है।

मुकेश ने कहा कि सरकार के सहयोग के बिना परिवहन निगम को चलाना कठिन है। इसलिए मुख्यमंत्री के साथ-साथ वित्त विभाग व सभी के साथ बात करेंगे और निगम को बेहतर चलाएंगे। कर्मचारियों को समय पर वेतन अदायगी हो, यह हमारी प्राथमिकता है। चालकों-परिचालकों के साथ-साथ वर्कशाप में काम करने वाले कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं मिलें, इस पर भी काम करेंगे और इलेक्ट्रिक बसों के लिए बजट में नीति लेकर आएंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री की सरकारी रैलियों में जो परिवहन निगम की बसें लगवाई गईं और अधिकारियों की जिम्मेदारी लोगों को लाने के लिए लगाई गई, उसका पूरा पैसा लेंगे। इसके लिए विभागों से और जो भी औपचारिकताएं हैं, वे पूरी करने के निर्देश दे दिए हैं।

जयराम जाएं कोर्ट में मुकेश ने कहा कि सरकारी कार्यालय बंद करने पर भाजपा का हो-हल्ला बेकार है। जो कार्यालय केवल राजनीतिक लाभ के लिए बिना प्रशासनिक व वित्तीय अनुमति के खोले गए हैं व जिन पर कैबिनेट के एजेंडे पर ही वित्त विभाग ने आपत्ति जताई है, उनको बंद किया है। जरूरत के अनुसार हर व्यवस्था को दुरुस्त कर कार्यालय खोले जाएंगे। पूर्व सीएम जयराम ठाकुर को खुली छूट है कोर्ट में जाने की। कोर्ट में हम तथ्य रख देंगे।

सरकार का निर्देश, अब कार्यालय नहीं, बगीचों में पहुंचेंगे बागवानी अधिकारी

शिमला। बागवानी विभाग के सभी अधिकारियों को निर्देश जारी हुए हैं कि वह कार्यालयों में न बैठकर बगीचों में जाकर बागवानों की समस्याएं हल करें। विभाग इस संबंध में सभी अधिकारियों से रिपोर्ट लेगा। ऐसे में अब वह कार्यालय में बैठकर ही बागवानों की समस्याओं का हल नहीं निकाल पाएंगे। उन्हें बीमारियों और कीटों के बारे में भी बागवानों के साथ शोध करने को कहा है, जिससे समस्याओं का तुरंत हल हो सके। इससे बागवानों को राहत मिलेगी और वह बेहतर उत्पाद पैदा कर अधिक लाभ कमा सकेंगे। सरकार ने विभागीय अधिकारियों को बागवानों को परंपरागत तकनीक से अत्याधुनिक तकनीक की तरफ मोड़ने के निर्देश जारी किए हैं। सरकार का ध्येय है कि बागवान फलों की अत्याधुनिक किस्में लगाकर अपनी आर्थिकी मजबूत कर सकें। कम लागत पर फसलों का अधिक उत्पादन कैसे लिया जा सके, इसका बगीचों में जाकर प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए हैं। बागवानी निदेशक आरके परुथी का कहना है कि सभी बागवानी अधिकारियों को कार्यालयों में न बैठकर बगीचों में बागवानों के बीच जाने और उनकी समस्याओं का हल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बागवानों को प्रशिक्षित करने के लिए कहा गया है। प्रदेश में बागवानी विकास के लिए दो परियोजनाएं चल रही हैं। इसमें 1134 करोड़ रुपये की विश्व बैंक पोषित योजना है। इसमें सेब और अन्य गुठलीदार फलों के प्रोत्साहन के लिए कार्य चल रहा है वहीं एशियन विकास बैंक (एडीबी) से सहायता प्राप्त 1688 करोड़ रुपये के एचपी-शिवा प्रोजेक्ट यानी हिमाचल प्रदेश सब ट्रापिकल हार्टिकल्चर इरिगेशन एंड वेल्यू एडीशन प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट में निचले क्षेत्रों के लिए आम, अमरूद, लीची, संतरा आदि को विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में बागवानी की छह हजार करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिकी है। इसमें से सेब की साढ़े चार हजार करोड़ रुपये की आर्थिकी है। इसे कई गुणा बढ़ाए जाने की योजना है। विशेष रूप से ऐसे क्षेत्र जो बंजर भूमि में तबदील हो गए हैं, वहां के किसानों को बागवानी की तरफ मोड़ा जाएगा। इससे उनकी आय बढ़ेगी और प्रदेश की आर्थिकी में और वृद्धि होगी।

हिमाचल में सरकार की योजनाओं का नाम बदलना ठीक नहीं : जयराम

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शिमला विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कार्यालय में अपना कार्यभार संभाला, उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप विशेष रूप में उपस्थित रहे। भाजपा पदाधिकारियों एवं भाजपा नेताओं ने उनको इस अवसर पर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा अगर कांग्रेस सरकार जनहित में निर्णय नहीं लेगी तो हम पूरी ताकत के साथ निर्णय का विरोध करेंगे। प्रदेश के विकास के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। कांग्रेस सरकार की शुरूआत अच्छी नहीं रही एसी हम अपेक्षा नहीं थी, जिस प्रकार मुख्यमंत्री

सुखविंदर सिंह सुक्खू के सहजता और सरलता के बारे में चर्चा होती थी पर जो काम उनकी सरकार ने किए वह उनके व्यवहार के विपरीत है।

पूरे प्रदेश में कार्यालयों को बंद किया गए जो की प्रदेश हित में नहीं है। ऐसा पहली बार हुआ है की किसी सरकार के एक साल के कार्यकाल का रिव्यू हुआ है, यह बंद करना का सिलसिला ठीक नहीं। आने वाले समय में सरकार 5 साल के निर्णय का भी रिव्यू कर सरकती है। विधानसभा सत्र में तीन दिन तक वॉक आउट हुआ, जनता में रोष है। इस सरकार को अपने फैसलों के बारे में फिर सोचना चाहिए। हिमाचल के इतिहास में पहली बार इतने काम अंतर के साथ कोई सरकार बनी है। जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में एक और परंपरा शुरू होने जा रही है अब हिमाचल प्रदेश की योजनाओं के नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू हो रही है। भारत रतन अटल बिहारी वाजपई के नाम योजनाओं को अब हिमाचल में राजीव गांधी के नाम पर रखा जा रहा है, यह कोई स्वस्थ परंपरा नही है।

डैनकुंड की पहाड़ियां पर जमीं बर्फ की मोटी चादर, ट्रैकिंग करने पहुंच रहे पर्यटक

दर्पण न्यूज सर्विस

डलहौजी। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी लगातार जारी है। बर्फ की सफेद चादर में लिपटा हिमाचल किसी स्वर्ग से कम नहीं लग रहा है। डलहौजी मे पिछले कई दिनों से बर्फबारी जारी है। पर्यटन नगरी डलहौजी व इसकी उपरी पहाड़ियों पर गत दिनों हुए हिमपात के बाद हिमाच्छादित हुए पर्यटन नगरी डलहौजी की पहाड़ियां ट्रैकरों को ही जहां अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। विभिन्न राज्यों से आए पर्यटक भी इन बर्फ से पटी हुई पहाड़ियों पर जाकर मस्ती कर रहे हैं।

ज्ञात हो कि डलहौजी के उपरी क्षेत्र डैनकुंड में अबतक लगभग ढाई फुट तक बर्फबारी हो चुकी है। जिससे कि डैनकुंड में चारों ओर बर्फ की मोटी चादर बिछ जाने से इस क्षेत्र का ही नजारा काफी सुन्दर हो गया है। वहीं डैनकुंड की बर्फ से लकदक ऊँची पहाड़ी से दूर तक दिखाई देते निचले क्षेत्रों का नजर भी काफी विहंगम लगता है। हलकी धुंध के बीच बर्फ से लकदक डैनकुंड की पहाड़ियों पर पहुंचकर ऐसा लगता है मानो बादलों से घीरे आसमान के बीच में चहलकदमी कर रहे हों।

बस इसी आकर्षण में ट्रैकरों के साथ अन्य पर्यटक लक्कड़मंडी से पैदलो ही डैनकुंड पहुंचकर बर्फ में मस्ती करने सहित यहां के सुंदर नजारों को अपने कैमरों में कैद कर रहे हैं।

धुआं देख पड़ोसियों ने बुलाई दमकल टीम, अंदर आग सेंक रहा था व्यक्ति

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला। शिमला के लोअर बाजार में एक कमरे से धुआं निकलता देख पड़ोसियों ने अग्निशमन की टीम को बुलाया। करीब दोपहर 12 बजे अग्निशमन की गाड़ी सायरन बजाते हुए पहुंची। लोअर बाजार में संडे मार्केट सजी हुई थी इस कारण अग्निशमन विभाग ने बड़ी गाड़ी के बजाय छोटी गाड़ी आग बुझाने के लिए भेजी थी। सड़कों पर सजी दुकानों से बचते बचाते हुए गाड़ी लोअर बाजार में शुभांकर शाप के पास पहुंची।

फोन पर बताए पते पर पहुंच कर घर का दरवाजा खोला तो अंदर व्यक्ति आग सेंक रहा था। घर की चिमनी से धुंआ ऐसे निकल रहा था कि जैसे आग से कमरा जल रहा हो। अग्निशमन विभाग की टीम के पूछने पर व्यक्ति ने बताया कि उसे ठंड लगी थी। ठंड से बचने के लिए उसने आग जलाई थी। कागज, गत्ते व लकड़ियों को जलाया था। इससे धुआं काफी ज्यादा निकल रहा था। इसे देखकर ही पड़ोसियों ने इसकी सूचना विभाग को दी थी।

अग्निशमन विभाग की टीम ने व्यक्ति को सलाह दी कि वह घर की चिमनी साफ करवाएं। धुआं इस तरह निकल रहा है कि जैसे काफी ज्यादा आग लगी हुई हो। सर्दियों में अग्निकांड की काफी ज्यादा घटनाएं पेश आती हैं। लोग घरों में हीटर व अंगिठियां जलाते हैं। इससे कई बार अचानक आग भड़क जाती है।

कड़की में फंसा तेंदुआ गांव में जा घुसा, लोगों में फैला खौफ

दर्पण न्यूज सर्विस

शाहतलाई। ग्राम पंचायत दसलेहडा के गांव खमेड़ा खुर्द में शाम करीब साढ़े चार बजे कड़की में फंसा तेंदुआ दहाड़ता हुआ गांव में घुस गया। वहीं कड़की में फंसे तेंदुए को देख कर गांव वाले घबराकर घरों में बंद हो गए। गांव के लोग तेंदुए के आतंक से भयभीत होकर अपने खेतों में जाने से डर रहे हैं। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत दसलेहडा के गांव खमेड़ा खुर्द का एक व्यक्ति अपने निजी काम से कहीं जा रहा था कि झाड़ियों से निकल कर अचानक तेंदुआ दहाड़ता हुआ झपट पड़ा। वहीं उक्त ने इस बात की सुचना पूर्व उप प्रधान मदन लाल को दी उन्होंने समय रहते बछरेटू वनरक्षक राजीव कुमार

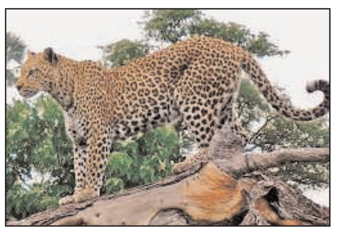

को दी। वनरक्षक राजीव कुमार सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लेकर वन परिक्षेत्र अधिकारी कलोल नंद लाल को अवगत कराया। उधर गांव में घायल अवस्था में तेंदुआ के दहाड़ने की आवाज सुनते ही अपरा-तफरी मच गई। जबकि स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ दूरदराज से लोग भी तेंदुए को देखने के लिए इकट्ठे हो गए। वहीं तेंदुआ का दहना पांव कड़की में फंस जाने के कारण तेंदुआ दहाड़ता हुआ इधर-उधर भाग रहा था। लेकिन ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए घायल अवस्था में तेंदुआ झाड़ियों में जा घूस। मगर ग्रामीण वहां पर शोर मचाने लगे तो तेंदुआ गहरी ढांक में पेड़ पर चढ कर छिप गया। वन विभाग वन खंड अधिकारी कोलका, ज्ञान सिंह,वन खंड अधिकारी जगमोहन, रविन्द्र कुमार, राजेश कुमार, राजीव कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच स्थिति का जायजा लेकर कड़ी मकसद के साथ करीब ढाई घंटे तक चले आप्रेशन के पश्चात तेंदुआ को बेहोश किया। इसके पश्चात वन विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों की मदद से घायल तेंदुए को रस्सों के साथ बड़ी सूझबूझ के साथ पेड़ से नीचे उतरा।

बिना नक्शे के बने थे घर, मालिकों को भेजा नोटिस

बिलासपुर। तेजी से बढ़ते अवैध निर्माण पर नियंत्रण करने के लिए नगर परिषद बिलासपुर ने प्रयास तेज कर दिए हैं। नगर परिषद ने ऐसे करीब 50 मकान मालिकों को नोटिस निकाले हैं जिन्होंने बिना नक्शा पास करवाए ही अपने भवन तैयार किए हैं। नोटिसों में कुछ घर ऐसे हैं जिन्हें दूसरी व तीसरी बार नोटिस जारी किए जा रहे हैं। ऐसे मकान मालिकों के घरों से बिजली व पानी के कनेक्शन काटने के लिए भी नगर परिषद ने जलशक्ति विभाग व विद्युत बोर्ड को लिखा है। साथ ही बिलासपुर के हाउसिंग बोर्ड में एक मकान से बिजली व पानी का कनेक्शन काटा भी जा चुका है, लेकिन बावजूद इसके भी जिला में अवैध निर्माण रुक नहीं रहा है। भाखड़ा बांध के निर्माण के विस्थापन के बाद से बिलासपुर जिला मुख्यालय लीज पर है।

चालानों से सड़क दुर्घटनाओं में आई कमी, हादसों के कारण होने वाली मौतें 30 प्रतिशत तक घटी

दर्पण न्यूज सर्विस

शिमला। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क यातायात उल्लंघन को रोकने में चालान ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चालान के कारण पिछले पांच वर्षों में शिमला जिले में सड़क दुर्घटनाओं और मौतों में 30 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। पिछले वर्ष 354 सड़क दुर्घटनाओं में कुल 167 लोगों ने जान गवाई, जबकि 2018 में 526 दुर्घटनाओं में 245 लोगों की मौत हुई। पुलिस विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष में जारी किए गए चालानों की संख्या में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शिमला की एसपी मोनिका भुटुंगरू ने कहा कि प्रभावी चालान के अलावा शिमला की एसपी मोनिका भुटुंगरू ने कहा कि

प्रभावी चालान के अलावा, कानून प्रवर्तन और सड़क दुर्घटना डेटा प्रबंधन प्रणाली के डेटा के विश्लेषण के आधार पर पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई, यातायात प्रबंधन प्रणाली और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी के चलते सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई।

उन्होंने आगे कही कि हमने नशे में ड्राइविंग, ओवर स्पीडिंग और मोबाइल पर बात करने हुए ड्राइविंग के लिए चालान करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके कारण आदतन अपराधियों के ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित कर दिया गया। सेब के मौसम में शिमला में भारी भीड़ देखने को मिलती है साथ ही बर्फीले क्षेत्रों में वाहनों के फिसलने जैसी दुर्घटनाओं में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए एक रोड मैप तैयार किया गया था और पहले से ही उपचारात्मक उपाय किए गए थे।

सड़क नियमों में सख्ती के दौरान सबसे अधिक 1,83,612 चालान जारी किए गए जिनमें से नशे में ड्राइविंग (3,448), वाहन चलाते समय समय मोबाइल का उपयोग करना (5159) और ओवर स्पीडिंग (586)। 2022 में एमवी अधिनियम के तहत जारी किए गए कुल चालानों का पांच प्रतिशत है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि 2022 में दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 354 हो गई (कोविड वर्षों सहित पिछले 10 वर्षों में सबसे कम) और 2021 में मौतों की संख्या 189 थी जो 2022 में घटकर 167 हो गई। अधिकतम दुर्घटनाएं लिंक सड़कों पर देखी गईं, उसके बाद राज्य राजमार्गों, राष्ट्रीय राजमार्गों और प्रमुख जिला सड़कों पर।

लगभग 50 प्रतिशत दुर्घटनाओं में मोटर और कारें शामिल थीं। उन्होंने आगे कहा कि चोट को कम करने वाले सुरक्षा उपायों की अनदेखी करने, गलती को दोहराने वाले अपराधियों का एमवी एक्ट के तहत चालान किया गया था। जिले को 20 पुलिस स्टेशनों में विभाजित किया गया है। वर्तमान में, प्रत्येक पुलिस स्टेशन में एक वाहन और दो मोटरसाइकिल हैं। प्रत्येक पुलिस स्टेशन का भौगोलिक क्षेत्र बहुत बड़ा होने के कारण 2022 में सड़क सुरक्षा और बचाव कार्यों के लिए समर्पित दस नए वाहन तैनात किए गए थे। शिमला पुलिस ने जिले में 40 ब्लैक स्पॉट की भी पहचान की थी और लोक निर्माण विभाग को जिले के दस सबसे संवेदनशील ब्लैक स्पॉट सुधार कार्य करने के लिए पत्र भी लिखा था। पिछले दस वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, शिमला जिले में हर साल 442 दुर्घटनाओं में औसतन 195 लोगों की मौत होती है क्योंकि पहाड़ी इलाकों में रोल डाउन दुर्घटनाएं (दुर्घटनाएं जिनमें वाहन सड़क से नीचे गिर जाता है) होने का खतरा अधिक बना रहता है। इससे पहले, सड़क सुरक्षा पर बोलते हुए, डीजीपी संजय कुंडू ने कहा था कि दुर्घटनाओं को कम करना और जीवन को बचाना पुलिस की प्राथमिकता है।

संक्षिप्त-समाचार

पलचान से नेहरूकुंड तक लगा चार किलोमीटर लम्बा जाम, पर्यटकों को होना पड़ा परेशान

मनाली। मनाली से सोलंगनाला के लिए निकले पर्यटक वाहन रविवार को जाम में फंस गए। पार्किंग की समस्या व सड़क किनारे अधिक बर्फ होने से रविवार को मनाली पुलिस ने पलचान तक ही फोर व्हील ड्राइव वाहनों को जाने की अनुमति दी। लेकिन सामान्य वाहन भी पहुंच गए। इस कारण पलचान से नेहरूकुंड तक चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सुबह से शाम तक जाम लगता रहा। इससे उझी घाटी के लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। पर्यटकों को भी सोलंगनाला तक पहुंचने में दिक्कत हुई। हिमपात होने के बाद मनाली में पर्यटकों की आमद बढ़ी है। हर दिन अन्य राज्यों से सैकड़ों पर्यटक मनाली आ रहे हैं। वाहन चालक नरेंद्र, विक्रम, दलीप व टशी ने बताया कि पुलिस ने पलचान से आगे फोर व्हील ड्राइव वाहन ही भेजे। रविवार सुबह पलचान से नेहरूकुंड तक जाम लगा। नेहरूकुड़ में हल्की बर्फ है लेकिन अधिकतर पर्यटक सोलंगनाला जाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि वीकेंड पर पर्यटकों की भीड़ को देखते हुए व्यवस्था सुदृढ की जाए। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश ने कहा कि हिमपात के बाद पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर सडीएम मनाली डा. सुरेंद्र ठाकुर ने कहा कि सोलंगनाला के पार्किंग स्थलों से जल्द बर्फ हटाई जाएगी। पर्यटकों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसका ध्यान रखा जाएगा।

निर्माणाधीन पुल से किशोरी ने नदी में छलांग लगाई, एक दिन बाद मिला शव

चंबा। जिला मुख्यालय चंबा के साथ लगते परेल में निमार्णाधीन पुल से रावी में छलांग लगाकर एक किशोरी ने जान दे दी। मृतका 17 वर्षीय तन्वी गांव परमस, डाकघर किलाड़, पांगी की रहने वाली थी। लड़की इन दिनों चंबा में अपनी बुआ के घर पर आई हुई थी। घटना शनिवार देर शाम की है। वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम करीब आठ बजे एक लड़की मोबाइल फोन पर बात करते हुए निमार्णाधीन पुल पर आई। पुल के बीच पहुंचकर उसने फोन को नीचे रख दिया। उसके बाद जूते उतारे ओर देखते ही देखते नदी में छलांग लगा दी। नदी में पानी अधिक होने व अंधेरे के चलते लड़की का नदी में कोई भी पता नहीं चल पाया। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुल पर रखे मोबाइल फोन को कब्जे में लिया। उसके बाद देर रात तक लड़की को ढूंढने के लिए सर्च अभियान चलाया लेकिन कुछ पता नहीं चला। रविवार को फिर से नदी में सर्च अभियान चलाया। परेल से काफी दूर उदयपुर के समीप शव मिला। स्कूलों में छुट्टियां होने पर तन्वी चंबा में अपनी बुआ के घर आई थी। मामले की पुष्टि पुलिस अधीक्षक चंबा अभिषेक यादव ने की है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब पुलिस मोबाइल फोन की काल डिटेल खंगालेगी। वह नदी में कूदने से पहले किससे बात कर रही थी इसके बारे में जानकारी हासिल की जाएगी। वहीं लड़की के स्वजन से भी पूछताछ की जाएगी।

दिन दिहाड़े एक घर से 12 तो दूसरे से छह लाख रुपये के आभूषण चोरी

सरकाघाट। धर्मपुर के कौंसल गांव में चोरों ने दिन दिहाड़े लोक निर्माण विभाग में कार्यरत दो बेलदार के घर में सेंधमारी कर 18 लाख रुपये के आभूषण चुरा लिए। घटना के समय दोनों परिवार के सदस्य अपने-अपने कार्य से घर से बाहर थे। एक घर से 12 लाख और दूसरे से छह लाख रुपये के आभूषण चोरी हुए हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में उत्तर प्रदेश नंबर की कार में गांव में घूम रहे तीन लोगों पर चोरी करने का शक जाहिर किया है। 52 वर्षीय जगदीश चंद पुत्र चेत राम ने कहा कि वह और उसका छोटा बेटा पृथ्वी पाल घास काटने गए थे और पत्नी पशुशाला में थी। घर पर कोई नही था। पत्नी व बेटा घर आए तो उनकी साली अनीता ने बताया कि कमरे की खिड़की खुली है। इसके बाद जगदीश चंद ने कमरे का ताला खोला तो गोदरेज की अलमारी व ट्रंक खुले थे। इनमें सोने का मंगल सूत्र, कीटी सैट, दो जोडे कांटे, सोने के मलौरी, मांग टीका, सोने का क्लिप, छह सोने की अंगूठी, चांदी की दो जोड़ी पायल, सोने की चेन, तीन जोड़े टाप्स व एक छोटा मंगलसूत्र था। इनकी कीमत 12 लाख रुपये है। कमरे में सामान भी बिखरा हुआ था। वीरी सिंह पुत्र बेली राम के कमरे का ताला तोड़कर चोर एक सोने का किटी, दो जोड़ी कांटे, एक रानी हार, चार जोड़ी सोनी की बाली, चार सोने की अंगूठियां, सोने की चेन, नथ, मांग टीका, एक क्लिप, चार चांदी के कड़े, चांदी की पायल, दो सोने की तिल्ली, बच्चों के चार जोड़ी सोने के कंगन चुराकर ले गएहैं। इनकी कीमत छह लाख रुपये है। सूचना मिलने पर पुलिस ने छानबीन शुरू की तो स्थानीय महिला रीना देवी ने बताया कि उत्तर प्रदेश नंबर की बलेनो कार में तीन लोग गांव में घूम रहे थे। डीएसपी कुलदीप धीमान ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

गाली-गलौज का कारण पूछने पर की थी व्यक्ति की हत्या, एक ही परिवार के चार सदस्य गिरफ्तार

धर्मशाला। कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के तहत हलेड़कला पंचायत के नटेहड़ गांव में व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने एक ही परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों को रविवार को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया और यहां से उन्हें छह दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। मृत व्यक्ति के चाचा को भी पूछताछ के लिए कांगड़ा थाने तलब किया है। शनिवार देर रात लड़ाई झगड़े में गंभीर रूप से घायल हुए रिपन कुमार को स्वजन डाक्टर राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कालेज एवं अस्पताल टांडा ले गए थे, जहां मौत हो गई थी। पुलिस ने हत्या के आरोप में चमन लाल, उसकी पत्नी कृष्णा देवी व बेटों साहब सिंह व विशु को गिरफ्तार किया है। शनिवार को टांडा अस्पताल में स्वजन ने शव लेने से इनकार कर दिया। वे रिपन के चाचा की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें जांच का भरोसा दिया और इसके बाद वे शव ले गए। रिपन व हमलावरों के घर आसपास हैं। रिपन के स्वजन के साथ आरोपितों ने कुछ देर पहले गाली-गलौज किया था। जब इसका पता रिपन को चला तो वह पूछने लगा कि स्वजन से बदसलूकी क्यों की है। इस बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपितों ने रिपन की पिटाई कर दी और तेजधार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। रिपन के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए और रिपन को टांडा अस्पताल ले गए, जहां मौत हो गई। यह रंजिश व जमीन विवाद का मामला बताया जा रहा है। हालांकि अभी तक पुलिस पड़ताल कर रही है।

15 साइट को खनन के लिए किया जाएगा नीलाम, बढ़ेगा राजस्व, खुलेंगे रोजगार के द्वार

धर्मशाला। जिला कांगड़ा में दो स्लेट खानों सहित 15 खड्डों को खनन के लिए चिह्नित किया है। इस बाबत प्रस्ताव सरकार को भेजा है और मंजूरी मिलने के बाद इन साइट को खनन के लिए नीलाम किया जाएगा। इससे विभाग व सरकार को राजस्व प्राप्त होगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। दो साइट खनियारा में चिह्नित की गई हैं और अब यहां से स्लेट निकाले जा सकेंगे। वर्तमान में दोनों साइट सौकणी दा कोट पंचायत के अधिकार क्षेत्र के तहत खुलेंगी। खनियारा की स्लेट खानें काफी प्रसिद्ध हैं और यहां से निकलने वाले स्लेट की गुणवत्ता बेहतर होने के कारण इनकी मांग अधिक रहती है। पहले एनजीटी व केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के निर्देश पर कई स्लेट खानों को बंद करना पड़ा था। अब औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद सौकणी दा कोट में खनन विभाग दो स्लेट खानों को नीलाम करेगा। जिला खनन अधिकारी राजीव कालिया ने बताया कि दो स्लेट खानों समेत खड्डों की साइट नीलामी के लिए चिह्नित की हैं। इस बाबत औपचारिकताएं पूर्ण कर ली हैं। सरकार से मंजूरी मिलते ही इन साइट की नीलामी की जाएगी। इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अवैध रूप से खनन की रोकथाम के लिए विभाग ने कदम उठाए हैं। गज खड्ड में दो, न्यूगल में चार, बनेर में चार, ब्यास नदी में दो, ढलियारा में दो तथा नक्की खड्ड में एक साइट चिह्नित की है और इन्हें खनन विभाग नीलाम करेगा। वर्ष 2020 में 42 साइट की नीलामी हुई थी। इनमें से पांच खनन विभाग ने एनवायरमेंट इंपेक्ट असेस्मेंट के तहत रद कर दी हैं। इनमें धर्मशाला की एक, नडेली खड्ड की एक, धीरा की मौल खड्ड की एक व जयसिंहपुर की दो साइट शामिल हैं। अवैध खनन पर अंकुश लगेगा तो सरकार का राजस्व बढ़ेगा। ऐसे में कुछ साइट विभाग ने चिह्नित की हैं और अब इनकी नीलामी होगी। प्रस्ताव मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा है। सरकार की ओर से तिथि दिए जाने पर ये साइट नीलाम होंगी। बताया जा रहा है कि ये साइट मार्च में नीलाम होंगी।

अभी और करना होगा इंतजार, लाहुल स्पीति नहीं जा सकेंगे पर्यटक, ओलावृष्टि का यलो अलर्ट

शिमला। प्रदेश में रविवार को दूसरे दिन भी धूप खिलने से ठंड से कुछ राहत मिली है। हालांकि, भारी हिमपात के कारण लाहुल घाटी अभी पर्यटकों के लिए बंद रहेगी। मौसम विभाग ने सोमवार से पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय होने से चंबा, कांगड़ा, मंडी, ऊना, हमीरपुर व बिलासपुर जिला में आंधी चलने के साथ ओलावृष्टि का यलो अलर्ट जारी किया है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात व अन्य क्षेत्रों में वर्षा हो सकती है। 24 और 25 जनवरी को भारी हिमपात व वर्षा होने की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान हवाई, रेल और सड़क यातायात बंद हो सकता है। बिजली और पानी की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। हिमपात वाले क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित न हो इसके लिए व्यापक प्रबंध करने को कहा गया है। रविवार को धूप खिलने से अधिकतम तापमान में एक से पांच डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि दर्ज की गई। सबसे अधिक केलंग में 5.7, जबकि मनाली में 4.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। प्रदेश में अब भी 223 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं।

क्लीन स्वीप करने उतरेगी भारतीय टीम

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ मैच दोपहर 1.30 बजे से शुरू होगा, मध्यक्रम पर होंगी निगाहें

दर्पण न्यूज सर्विस

इंदौर। पहले दो मैचों में जीत दर्ज करके उत्साह से ओतप्रोत भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरेगी जिसमें उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। श्रृंखला पहले अपने नाम करने के कारण भारत इस मैच में अपनी गेंदबाजी में कुछ बदलाव कर सकता है। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल बेहतरीन फॉर्म में है। उन्होंने पहले मैच में दोहरा शतक जड़ा और कम स्कोर वाले दूसरे मैच में 40 रन की पारी खेली। कप्तान रोहित शर्मा ने भी अच्छी शुरूआत की है और वह उसे बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। भारतीय टीम श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के बावजूद इस बात से अच्छी तरह से वाकिफ होगी कि अभी तक केवल गिल और रोहित ही रन बना पाए हैं। यह भी सच्चाई है कि अन्य बल्लेबाजों को पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं ऐसे में ईशान किशन, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ियों

■ ईशान किशन, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ियों के पास मैच परिस्थिति में बल्लेबाजी अभ्यास का अच्छा मौका

के पास मैच परिस्थिति में बल्लेबाजी अभ्यास का अच्छा मौका होगा। विराट कोहली को बाएं हाथ के स्पिनरों को खेलने में फिर से परेशानी हो रही है। इस करिश्माई बल्लेबाज को मिशेल सैंटनर ने लगातार आउट किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला से पहले चार पारियों में तीन शतक जड़ने वाले कोहली पिछले दो वनडे मैचों में सस्ते में आउट हो गए थे क्योंकि न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर उनकी कमजोरी को उजागर कर दिया था। इस साल जबकि विश्व कप होना है तब कब कोहली अपनी इस कमजोरी से जल्द से जल्द पार पाना चाहेंगे। श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति में सूर्यकुमार से अच्छी पारियों की उम्मीद थी लेकिन टी20 में धमाल मचाने वाला यह

बल्लेबाज श्रृंखला के पहले मैच में नाकाम रहा। हार्दिक भी मध्यक्रम में पर्याप्त योगदान नहीं दे पा रहे हैं। भारत को इस सप्ताह के आखिर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला भी खेलनी है और इसके बाद वह अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला खेलेगा और ऐसे में टीम प्रबंधन कुछ खिलाड़ियों को विश्राम देकर रजत पाटीदार को पदार्पण का मौका दे सकता है। पाटीदार ने घरेलू स्तर पर अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव किया जा सकता है तथा तेज गेंदबाज उमरान मलिक और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को टीम में रखा जा सकता है। भारतीय गेंदबाजों ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड के छह विकेट 131 रन पर निकालने के बाद उसे 300 से अधिक रन बनाने का मौका दिया था लेकिन रायपुर में दूसरे मैच में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और हार्दिक ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि स्पिनरों ने भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। न्यूजीलैंड इस मैच में जीत दर्ज करके भारत को क्लीनस्वीप करने से रोकने की पूरी कोशिश करेगा और इससे टी20 श्रृंखला से पहले अपना मनोबल भी बढ़ाना चाहेगा। न्यूजीलैंड को बल्लेबाजी में पूर्व कप्तान केन विलियमसन की कमी खल रही है।

इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेले गए एक दिवसीय मुकाबलों में अजेय रहा है भारत

इंदौर। पहले दोनों मैच में जीत दर्ज करके एकदिवसीय श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल करने वाली भारतीय टीम अब उस होलकर स्टेडियम में न्यूजीलैंड का सामना करने के लिए उतरेगी जहां उसने अभी तक खेले गए सभी वनडे मैचों में जीत दर्ज की है। होलकर स्टेडियम में सीमित ओवरों के एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में हालांकि न्यूजीलैंड पहली बार मेजबान भारत के सामने होगा, लेकिन मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के इस स्टेडियम का 17 साल पुराना रिकॉर्ड भारत के पक्ष में रहा है। मेजबान भारतीय टीम इस मैदान पर 2006 से लेकर 2017 के बीच आयोजित सभी पांच एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में जीत का झंडा फहराते आई है और इस प्रारूप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया को धूल चटा चुकी है। उधर, न्यूजीलैंड ने होलकर स्टेडियम में अब तक टेस्ट मैच के रूप में केवल एक मुकाबला खेला है। 2016 में आयोजित इस मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 321 रन के विशाल अंतर से मात दी थी। गौरतलब है कि यह मुकाबला करीब 27,000 दर्शकों की क्षमता वाले इस स्टेडियम के इतिहास का पहला टेस्ट मैच था। स्टेडियम में मंगलवार को खेले जाने वाले एक दिवसीय मैच में न्यूजीलैंड टीम जारी श्रृंखला की पिछली दो हार का कुछ हिसाब चुकता कर इस मैदान पर पहली बार जीत का स्वाद चखना चाहेगी।

संक्षिप्त-समाचार

भारतीय क्रिकेटरों, अंपायरों ने उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में पूजा की

उज्जैन। न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में मंगलवार को होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम, अंपायरों और अधिकारियों ने सोमवार सुबह यहां प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर का दौरा किया और तड़के होने वाली भस्म आरती में भाग लिया। मंदिर के पुजारी आशीष गुरु ने पीटीआई भाषा को बताया कि सुबह की आरती में हिस्सा लेने और महाकाल देवता को जल अर्पित करने वालों में वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव और सूर्यकुमार यादव शामिल थे। उज्जैन के लोकसभा सांसद अनिल फिरोजिया ने धार्मिक नगरी में उनका स्वागत किया। गुरु ने कहा कि बाद में 25 लोगों के दल ने आशीर्वाद लेने के लिए महानिर्वाणी अखाड़ा के महंत श्री विनीत गिरि जी महाराज के आवास का दौरा किया। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रंखला में 2-0 से आगे है। तीसरा और अंतिम मैच मंगलवार को उज्जैन से लगभग 55 किलोमीटर दूर इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाना है।

अक्षय भाटिया बहामास में दूसरे स्थान पर

एबेको (बहामास)। अक्षय भाटिया ने बहामास में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है और वह कोर्न फेरी टूर पर 2023 ग्रेट एबेको क्लासिक गोल्फ टूनार्मेंट में पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। भारतीय-अमेरिकी भाटिया उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो तीन अंडर 69 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। क्रिस्टोबल डेल सोलार ने पांच अंडर 67 के स्कोर के साथ दो शॉट से एकल बढ़त बना रखी है।

सुदीरमन कप और जूनियर विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी चाहता है भारत

नयी दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने खेल की विश्व संस्था (बीडब्ल्यूएफ) को पत्र लिखकर सुदीरमन कप और जूनियर विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने में दिलचस्पी दिखाई है। भारत को 2023 में मिश्रित टीम चैंपियनशिप की मेजबानी करनी थी लेकिन विश्व बैडमिंटन महासंघ ने इसके मेजबानी अधिकार चीन के सुजोउ को सौंप दिए जबकि भारत को 2026 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी। सुजोउ को 2021 में इस चैंपियनशिप का आयोजन करना था लेकिन चीन में कोविड-19 की बिगड़ती स्थिति के कारण वह इसकी मेजबानी नहीं कर पाया था। चीन में अब भी कोविड-19 की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है और इसे देखते हुए 14 से 21 मई के बीच होने वाले सुदीरमन कप को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा,' भारत इस साल सुदीरमन कप की मेजबानी करने का इच्छुक है। हमने इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ को पत्र लिखा है और हमें सकारात्मक जवाब मिलने की उम्मीद है।' मिश्रा ने कहा कि भारत इसके अलावा जूनियर विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने का भी इच्छुक है। उन्होंने कहा,' हमने जूनियर विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने में भी दिलचस्पी दिखाई है। इसकी मेजबानी अमेरिका को सौंपी गई थी लेकिन अब वह इससे हट गया है। भारत ने अपनी दिलचस्पी दिखाई है लेकिन अभी तक हमें बीडब्ल्यूएफ से कोई जवाब नहीं मिला है।' मिश्रा ने कहा,' यदि हमें सुदीरमन कप की मेजबानी मिल जाती है तो हो सकता है कि जूनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए हमें अगले चक्र तक इंतजार करना पड़ेगा।'

बृजभूषण ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक स्लोगन नहीं डालने का अनुरोध किया

लखनऊ। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की आपात आम परिषद की बैठक रद्द करने के कुछ घंटों बाद इसके अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने एक ट्वीट में लोगों से ऐसे आपत्तिजनक स्लोगन या हैशटैग सोशल मीडिया पर नहीं डालने का अनुरोध किया जिससे राजनीतिक दल या सम्प्रदाय की गरिमा को नुकसान हो। शरण ने हिंदी में ट्वीट कर कहा, 'अनुरोध है। सोशल मीडिया पर कुछ आपत्तिजनक स्लोगन, ग्राफि क्स, हैशटैग की जानकारी मिली है। ऐसा कुछ भी जिससे किसी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन, सम्प्रदाय या जाति-धर्म की गरिमा को नुकसान पहुंचे, उसके प्रति मेरी असहमति है।' उन्होंने एक और ट्वीट में कहा, 'और मै ऐसे पोस्ट और 'ट्रेंड्स' का खंडन करता हूं, मै दल से बड़ा नहीं हूं, मेरा समर्पण मेरी निष्ठा प्रमाणिक है। मेरे शुभचिन्तक और समर्थक कृपया ऐसे पोस्ट से दूर रहें, लाइक तो क्या कुछ टिप्पणी भी न करें।'

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की इंडोनेशिया मास्टर्स से वापसी की रहेगी कोशिश

दर्पण न्यूज सर्विस

जकार्ता। लक्ष्य सेन सहित भारत के चोटी के बैडमिंटन खिलाड़ी आज से यहां शुरू हो रहे इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके इंडिया ओपन की अपनी निराशा से उबरने की कोशिश करेंगे। पीवी सिंधु, सेन के जल्दी बाहर होने तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की चोट के कारण भारतीय चुनौती दूसरे दौर में ही समाप्त हो गई थी। सिंधू तथा सात्विक और चिराग इंडोनेशिया मास्टर्स में भाग नहीं ले रहे हैं और ऐसे में भारतीयों की निगाहें सेन पर टिकी रहेंगी। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी का पहले दौर में मुकाबला कोडाई नारोका से होगा जो इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। एचएस प्रणय भी इंडिया ओपन के पहले दौर में सेन से हार गए थे। वह यहां अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। पहले दौर में उनका मुकाबला जापान के कैंटा सुनियामा से होगा। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत भी यहां वापसी की कोशिश करेंगे। उनका पहला

मुकाबला इंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तावितो से होगा। साइना नेहवाल महिला एकल में चीनी ताइपे की पाई यू पो पर जीत दर्ज करके अच्छी शुरूआत करने की कोशिश करेगी। मालविका बंसोड़ को पहले दौर में ही पूर्व विश्व चैंपियन रत्चानोक इंतानोन की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पुरुष युगल में कृष्णा प्रसाद गरागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला अपने पहले मैच में मलेशिया के तान कियान मेंग और तान वी कियोंग से भिड़ेंगे। भारत की तरफ से महिला युगल में एन सिक्की रेड्डी और श्रुति मिश्रा, हरिता मंझील एच और अशना रॉय तथा अश्विनी भट के और शिखा गौतम चुनौती पेश करेंगे। मिश्रित युगल में ईशान भटनागर और तनीषा क्रेस्टो पर भारतीय दारोमदार होगा।

मार्टिन्स की एटीके मोहन बागान में वापसी

कोलकाता। भारतीय मिडफील्डर ग्लेन मार्टिन्स ने अपने पूर्व क्लब एटीके मोहन बागान में वापसी की है और इस बार उन्होंने लंबी अवधि का करार किया है। एटीके मोहन बागान ने यहां जारी बयान में कहा, मार्टिन्स मंगलवार से टीम के साथ अभ्यास करेंगे। एटीके मोहन बागान को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में शनिवार को साल्ट लेक स्टेडियम में ओडिशा एफसी के खिलाफ मैच खेलना है। मार्टिन्स ने इस सत्र में आईएसएल के नौ मैचों में भाग लिया है जिसमें उन्होंने 470 मिनट मैदान पर बिताए हैं। वह अभी तक इस सत्र में गोल नहीं कर पाए हैं।

डब्ल्यूआईपीएल नीलामी से बीसीसीआई को 4000 करोड़ रुपए की कमाई की उम्मीद

दर्पण न्यूज सर्विस

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को बुधवार को होने वाली महिला आईपीएल (डब्ल्यूआईपीएल) की पांच टीमों की नीलामी से कम से कम 4000 करोड़ रुपए की कमाई होने की उम्मीद है क्योंकि इसमें शीर्ष व्यावसायिक घराने अपनी बोली लगाएंगे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार टीमों की बंद बोली नीलामी में प्रत्येक टीम के 500 से 600 करोड़ रुपए में बिकने की उम्मीद है।

इससे पहले पुरुष आईपीएल टीमों की नीलामी में काम कर चुके उद्योग जगत से जुड़े एक अंदरूनी सूत्र ने नीलामी से पूर्व पीटीआई से कहा, 'डब्ल्यूआईपीएल में काफी संभावना है। कुछ बोली 500 करोड़ रुपए या इससे अधिक तक लग सकती हैं। 800 करोड़ रुपए से अधिक की बोली लगने की संभावना कम है लेकिन बीसीसीआई को शिकायत नहीं होगी।'

WOMEN'S IPL

डब्ल्यूआईपीएल की टीमों को खरीदने के लिए 30 से अधिक कंपनियों ने पांच करोड़ रुपए में बोली दस्तावेज खरीदे हैं। इनमें पुरुष आईपीएल टीमों का मालिकाना हक रखने वाली 10 कंपनियां भी शामिल है। अडानी ग्रुप, टोरेंट ग्रुप, हल्दीराम प्रभुजी, कैपरी ग्लोबल, कोटक और आदित्य बिरला ग्रुप ने भी टीमों को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इनमें वह कंपनियां भी शामिल हैं जो 2021 में पुरुष आईपीएल की दो नई टीमों को खरीदने में नाकाम रही थी। आईपीएल टीमों में मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल और कोलकाता नाइट राइडर्स टीम खरीदने में अधिक दिलचस्पी दिखा सकते हैं। उन्होंने वैश्विक स्तर पर भी टीम खरीदी हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार व्यावसायिक घराने टीम खरीदने के लिए दो सिद्धांतों पर अपनी बोली लगाते हैं। इनमें पहला निवेश पर प्रतिफल (आरओआई) है, जो किसी भी व्यवसाय का मूल सिद्धांत है। दूसरा व्यावसायिक सिद्धांत नहीं है, लेकिन व्यावसायिक समुदाय इसे अहं से जुड़ा हुआ मानते हैं। बोली से जुड़े आईपीएल फ्रेंचाइजी के एक पूर्व अधिकारी ने कहा,' माना कि कोई फ्रेंचाइजी पांच साल के लिए 500 करोड़ रुपए की सफल बोली लगाती है तो यहां प्रतिवर्ष 100 करोड़ रुपए होगा।' फ्रेंचाइजी के आय के स्त्रोतों के बारे में उन्होंने कहा,' बीसीसीआई अपने मीडिया प्रसारण अधिकारों के राजस्व को वितरित करता है जो कमाई का मुख्य स्त्रोत है।

आज के दिन भारत के राष्ट्रगान को मिली थी मंजूरी

जन गण मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब सिंध गुजरात मराठा
द्रविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशिष मांगे
गाहे तव जय गाथा

जन गण मंगल दायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे जय हे जय हे
जय जय जय जय हे

भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन'

राष्ट्रगान हो या राष्ट्रध्वज इनकी अनुभूति मात्र से ही मन में राष्ट्रभक्ति हिलोरे लेने लगती है। राष्ट्र के सम्मान का प्रतीक राष्ट्रगान 'जन गण मन' हिन्दुस्तानियों की रग-रग में जोश भरता है। उन्हें अपने देश और देशवासियों के प्रति सम्मान की प्रेरणा भी देता है राष्ट्रगान।

रचनाकार : राष्ट्रगान जन गण मन की रचना नोबेल पुरस्कार विजेता गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। राष्ट्रगान को मूलतः बंगाली में लिखा गया था, जिसका बाद में हिन्दी अनुवाद किया गया। स्वयं रवींद्रनाथ टैगोर ने ही इसका अंग्रेजी अनुवाद 'दि मॉर्निंग सांग ऑफ इंडिया' शीर्षक से 1919 में किया था।

पांच पद : रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा लिखे गए गान में पांच पद हैं, जबकि राष्ट्रगान के रूप में इसके पहले पद को ही अपनाया गया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अपनी आजाद हिंद फौज में 'जय हे' नाम से इस गीत को स्वीकार किया था।

पहली बार प्रकाशन : राष्ट्रगान का पहली बार प्रकाशन 1912 में 'तत्वबोधिनी' नामक पत्रिका में हुआ था। इसका शीर्षक था 'भारत विधाता'।

पहली बार गायन : इसे सर्वप्रथम 27 दिसंबर 1911 को कांग्रेस के कलकत्ता (अब कोलकाता) अधिवेशन में बंगाली और हिन्दी दोनों भाषाओं में गाया गया। आर्थिक-सामाजिक नजरिए से परिपूर्ण इस राष्ट्रगान में सांप्रदायिक सद्भाव झलकता है।

राष्ट्रगान के रूप में मान्यता : संविधान समिति ने 24 जनवरी, 1950 को 'जन गण मन' को राष्ट्रगान के रूप में अपनाया गया। तेलंगाना के जम्मीकुंटा गांव और हरियाणा में फरीदाबाद जिले के भनकपुर गांव में हर सुबह सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया जाता है।

अवधि : राष्ट्रगान के गायन की अवधि 52 सेकंड है। कुछ अवसरों पर राष्ट्रगान संक्षिप्त रूप में भी गाया जाता है। इसमें प्रथम और अंतिम पंक्तियां ही बोलते हैं। इसमें लगभग 20 सेकंड का समय लगता है।

राष्ट्रगान का सम्मान : भारतवासियों से अपेक्षा की जाती है कि जिस समय राष्ट्रगान बज रहा हो या फिर उसे गाया जा रहा हो तो वे उसके सम्मान में सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएं।

नियम : राष्ट्रध्वज फहराने और परेड के साथ केन्द्र और राज्य सरकारों के विभिन्न कार्यक्रमों में राष्ट्रगान बजाया और गाया जाता है। दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर भी राष्ट्रपति के राष्ट्र को संबोधन से तत्काल पूर्व और उसके पश्चात राष्ट्रगान बजाने का नियम है। इसके अतिरिक्त ऐसे अवसरों की लंबी सूची है, जिनमें राष्ट्रगान बजाने और गाने की परंपरा है।

राष्ट्रगान की गरिमा : सामूहिक रूप से राष्ट्रगान को गाने पर तब तक कोई आपत्ति नहीं है, जबकि इसे मातृभूमि को सलामी देते हुए आदर के साथ गाया जाए और इसकी गरिमा को बनाए रखा जाए। विद्यालयों में भी सामूहिक रूप से दिन की शुरूआत में राष्ट्रगान गाने की परंपरा है।

विवाद :

सबसे पहले राष्ट्रगान से विवाद 1987 में जुड़ा था, जब सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष बिजोय एम्मानुएल बनाम केरल राज्य के एक वाद में उठाया गया था। इस मामले में कुछ विद्यार्थियों को स्कूल से इसलिए निकाल दिया गया था, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रगान गाने से मना कर दिया था। हालांकि यह विद्यार्थी स्कूल में राष्ट्रगान के समय इसके सम्मान में खड़े होते थे। अदालत ने इनकी याचिका स्वीकार कर कहा था कि यदि कोई व्यक्ति राष्ट्रगान का सम्मान करता है, पर उसे गाता नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं कि वह इसका अपमान कर रहा है। ऐसे में उस व्यक्ति को प्रताड़ित नहीं किया जा सकता। इसके अलावा एक विवाद राष्ट्रगान से इसकी शुरूआत से जुड़ा रहा। इसके बारे में कहा जाता था कि यह जॉर्ज पंचम की प्रशस्ति में लिखा गया है। हालांकि स्वयं गुरुदेव ने इसका खंडन किया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने एक आदेश में कहा था कि सिनेमाघरों में फिल्म खत्म होने पर राष्ट्रगान बजाया जाना चाहिए। इसका काफी विरोध भी हुआ था, बाद में शीर्ष अदालत ने अपना निर्णय वापस ले लिया। राष्ट्रगान के सिंध शब्द पर भी कई बार आपत्ति जताई गई और इसे हटाने के लिए अदालत का दरवाजा भी खटखटाया गया। दरअसल, सिंध इस समय पाकिस्तान का हिस्सा है।

मोहाली में सरकारी प्रिंटिंग प्रेस को अत्याधुनिक बनाने के लिए बनायी जा रही व्यापक योजना: अमन अरोड़ा

विभाग के कामकाज को और सुचारू बनाने के लिए मोहाली प्रेस का दौरा एवं कामकाज की समीक्षा

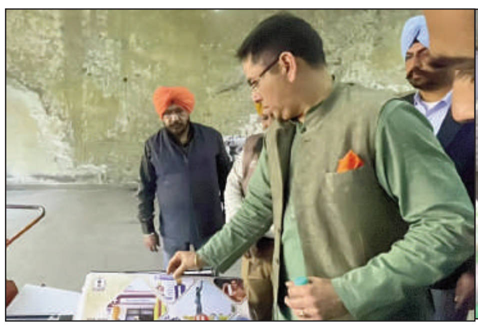

■ राज्य सरकार के सभी प्रिंटिंग स्टेशनरी के काम इस विभाग की ओर से ही किए जाने चाहिएः प्रिंटिंग और स्टेशनरी मंत्री अमन अरोड़ा

दर्पण न्यूज सर्विस

एसएएस नगर (मोहाली)। पंजाब के प्रिंटिंग और स्टेशनरी मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार एस.ए.एस. नगर (मोहाली) में स्थित सरकारी प्रैस को अति-आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई जा रही है। वह आज एस.ए.एस. नगर में सरकारी प्रिंटिंग प्रैस के संचालन का जायजा लेने और विभाग के कामकाज को और अधिक सुचारू बनाने के लिए दौरा करने आए थे। जिक्रयोग्य है कि श्री अमन अरोड़ा ने हाल ही में इस विभाग के मंत्री के तौर पर पद संभाला है। उन्होंने पिछले हफ्ते पटियाला में सरकारी प्रिंटिंग प्रैस का भी दौरा किया था। श्री अमन अरोड़ा ने प्रमुख सचिव प्रिंटिंग और स्टेशनरी श्री वी.के. मीना, कंट्रोलर श्री पुनीत गोयल और अतिरिक्त कंट्रोलर श्री आनन्द सागर शर्मा के साथ प्रिंटिंग प्रैस की सभी शाखाओं का दौरा किया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बातचीत भी की। प्रिंटिंग प्रैस को आज के समय के अनुसार बनाने के लिए अति-आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की जरूरत पर जोर देते हुए श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा राज्य सरकार की इस प्रतिष्ठित संस्था की ओर ध्यान नहीं दिया गया, परन्तु मान सरकार इस प्रिंटिंग प्रैस के इमारत के ढांचे को बेहतर बनाने के अलावा डिजिटल बुनियादी ढांचे से लैस नवीनतम प्रौद्यौगिकी के साथ अपग्रेड करने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार के सभी प्रिंटिंग स्टेशनरी के काम इस विभाग द्वारा ही किए जाने चाहिएं। विभाग के अधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री को आश्वासन दिया कि वह विभाग को आज के समय के अनुसार बनाने के लिए अथक मेहनत करेंगे।

देश के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले शहीदों को हमेशा याद रखना चाहिएः गुप्ता

अब तक पंचकूला के 18 सामुदायिक केन्द्रों का शहीदों के नाम पर किया जा चुका है नामकरण

■ गुप्ता ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित इंटर स्कूल ग्रुप सिंगिंग कंपीटीशन में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

दर्पण न्यूज सर्विस

पंचकूला। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि जिन शहीदों ने देश को आजाद करवाने के लिए अपने प्राणों की आहूति दी उन्हें हमेशा याद रखना चाहिए और अपनी आने वाली पीढी को भी उनके बारे में जानकारी देनी चाहिए। इसी ध्येय को ध्यान में रखते हुए अब तक पंचकूला के 18 सामुदायिक केन्द्रों का नामकरण शहीदों के नाम पर किया गया है। गुप्ता आज पंचकूला सेक्टर 5 स्थित इन्द्रधनुश ऑडिटोरियम में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित ह्यह्य मिले सुर मेरा तुम्हारा तो सुर बने हमाराह्लह्ल-एसबीआई इंटर स्कूल ग्रुप सिंगिंग कंपीटीशन पेट्रीओटिक सोंग- के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और वीटा ग्रुप को इस आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी कि उन्होंने देशभक्ति और शहीदों के नाम पर इस प्रतियोगिता का आयोजन करवाया।

शहीद भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव, अश्फाक उल्लाह खां, मदनलाल ढींगरा जैसे देशभक्तों ने केवल 28 से 30 वर्ष की आयु में देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दी थी। उन्हीं वीर शहीदों के बलिदानों के कारण आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन शहीदों ने देश को आजाद करवाने में अपने प्राण न्यौछावर कर दिये, उनके त्याग और बलिदान के बारे में हमारे युवाओं को जानकारी होनी चाहिए ताकि वे उनके बलिदानों से प्रेरणा ले सकें। गुप्ता ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नेताजी ने देश को आजाद करवाने के लिए आजाद हिंद फौज की स्थापना की थी। उन्होने युवाओं को इकट्ठा करके देश को आजाद करवाने के लिए एक सेना का गठन किया और हजारों युवा उनकी फौज में शामिल हुए। इस मौके पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की हैड अने कामदे, वीटा के मुख्य कायकारी अधिकारी सरबजीत सिंह, एसबीआई से नवल किशोर, शहीद ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह चांदपुरी के पुत्र हरदीप चांदपुरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

पुरोहित ने चंडीगढ़ में किया नॉर्थ के सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर 39 स्थित वाटर वर्क्स में नार्थ इंडिया का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन किया गया। वहीं दूसरी ओर 500 केडबल्यूपी का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट धनास लेक पर स्थापित किया गया। चंडीगढ़ प्रशासन के साईंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग के सेक्रेटरी तथा क्रेस्ट (चंडीगढ़ रिन्युएबल एनर्जी साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी) के सीईओ देबेंद्र दलई इस मौके पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में शहर के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित, उनके सलाहकार धर्म पाल और शहर की सांसद किरण खेर भी मौजूद रही। प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित सुबह सेक्टर 39 वाटर वर्क्स पहुंचें यहां वह 2000 केडबल्यूपी फ्लोटिंग एसपीवी पावर प्लांट का उद्घाटन किया। जिसके बाद वह धनास लेक की तरफ गए। वहां लेक पर बनाए गए 500 केडबल्यूपी फ्लोटिंग एसपीवी पावर प्लांट का उद्घाटन किया गया।

उपायुक्त ने लघु सचिवालय के सभागार में आपदा मित्र योजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की

■ आपदा मित्र योजना के तहत पंचकूला में 200 लोगों को दिया जायेगा प्रशिक्षणः महावीर कौशिक

दर्पण न्यूज सर्विस

पंचकूला। उपायुक्त महावीर कौशिक ने सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में आपदा मित्र योजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान प्राथमिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिये अधिक से अधिक आपदा मित्र तैयार करने के निर्देश दिये। कौशिक ने कहा कि प्राकृतिक आपदा जैसे भूकंप, बाढ़ और आगजनी की घटनाओं से निपटने में सरकारी एजेंसियों जैसे एनडीआरएफ के साथ साथ आपदा मित्रों का अहम योगदान होता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में इस तरह का कार्य करने के लिये उर्जाशक्ति होती है। इसलिये अधिक से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर आपदा मित्र के रूप में तैयार किया जाये। उन्होंने राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय सेक्टर-1, राजकीय कॉलेज बरवाला, राजकीय महाविद्यालय कालका और नेहरू युवा केंद्र को ऐसे इच्छुक युवाओं की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये ताकि उन्हें आपदा मित्र का प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। बैठक में बताया गया कि आपदा मित्र योजना के तहत हरियाणा में पहले चरण में कुल 2500 लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है, जिसमें पंचकूला के 200 लोग शामिल है। योजना के तहत पंचकूला में 45 सरपंच व 5 होमगार्ड सहित 50 लोगों को प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जा चुका है। इसके अलावा 150 कॉलेज विद्यार्थियों को 6 फरवरी से 17 फरवरी तक सीटीआई मोगीनंद सेक्टर-25 में प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन पंचकूला के प्रोजेक्ट अधिकारी सौरभ, नेहरू युवा केंद्र के उपनिदेशक प्रदीप कुमार, राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-1 से डॉ. सीमा सिंह, राजकीय महाविद्यालय कालका से सरीता और राजकीय महाविद्यालय बरवाला से सीमा भी उपस्थित थे।

नेशनल गर्ल चाइल्ड डे की पूर्व संध्या पर दस स्कूलों और कॉलेजों के प्रिंसिपल गर्ल्स इंडिया अवार्ड्स से सम्मानित

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। नेशनल डे ऑफ गर्ल चाइल्ड की पूर्व संध्या पर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती के मौके पर सोमवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के सभागार में ‘लड़कियों, महिलाओं और नागरिक समाज के सक्रिय और जीवंत जुड़ाव के साथ जी20 की सफलता’ विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के दौरान तीन इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किए गए। वहीं, शहर के दस स्कूलों और कॉलेजों को गर्ल्स इंडिया अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। जी20 प्रेसीडेंसी पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा को अवार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया।

स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले नेताजी को इस मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन शहर की स्वयंसेवी संस्था युवसत्ता, सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीस क्लब, स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, चंडीगढ़ और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। कार्यक्रम में स्थानीय स्कूलों और कॉलेजों के 250 से अधिक प्रिंसिपलों, शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

सेमिनार में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कौशल्या देवी कौशल केंद्र के योगदान और जीजीडीएसडी कॉलेज की ओर से महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे अन्य कदमों के बारे में जानकारी दी। सेमिनार को संबोधित करने वालों में प्रमुख रूप से स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, चंडीगढ़ के मेंबर सेक्रेट्री सुरेंद्र कुमार, एएसआरपी की फॉरेन अफेयर्स कमेटी के चेयरपर्सन डॉ. मार्कण्डेय राय, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद (एएसआरपी), नई दिल्ली के वाइस प्रेसिडेंट संजय भल्ला, सीसीपीसीआर की पूर्व चेयरपर्सन प्रो.देवी सिरोही, जी मीडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड के चैनल हेड (पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश) दीपक धीमान, समाज कल्याण विभाग, चंडीगढ़ के विक्रम जीत गोदवानी और युवसत्ता के संस्थापक प्रमोद शर्मा शामिल थे।

धीमान ने महिला उत्थान में उनके शानदार काम और भारतीय इतिहास में समाज के लिए भारतीय महिलाओं के उत्कर्ष प्रयास के लिए युवसत्ता और जीजीडीएसडी कॉलेज को शुभकामनाएं दीं। यूटी प्रशासन के समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधि विक्रम जीत गोदवानी ने महिला कल्याण के लिए 181 सुविधाओं का वर्णन किया। स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, चंडीगढ़ के मेंबर सेक्रेट्री सुरेंद्र कुमार और संजय भल्ला ने महिला सशक्तिकरण पर बातचीत की। वहीं, डॉ. मार्कण्डेय राय ने समापन उद्बोधन दिया। इससे पहले युवसत्ता के संस्थापक प्रमोद शर्मा ने कहा कि गर्ल्स इंडिया प्रोजेक्ट को युवसत्ता ने सीसीपीसीआर और एसएलएसए, चंडीगढ़ के साथ लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य चंडीगढ़ को विश्व का ऐसा पहला शहर बनाना है जो 2030 तक लैंगिक समानता के संयुक्त राष्ट्रीय सतत विकास लक्ष्य 5 को साकार करेगा। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद के टीएन मल्होत्रा ने अंत में एआरएसपी के लोकल चैप्टर की घोषणा की जिसके संयोजक प्रमोद शर्मा महासचिव दीपक धीमान बनाए गए हैं।

इन्हें मिला सम्मान

कार्यक्रम के दौरान जिन प्रमुख लोगों को उनके संबंधित शिक्षण संस्थानों में लड़कियों और महिलाओं के अधिकारों और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को सम्मानित किया गया उनमें सेंट जॉन्स हाई स्कूल की प्रिंसिपल कविता सी दास, कार्मल कांवेंट स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर मैरी सुप्रीटा, गवर्नमेंट गर्ल्स मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-18 सी की प्रिंसिपल राज बाला, गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, धनास की प्रिंसिपल सीमा रानी, सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रिंसिपल मोनिका चावला, शिवालिक पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल गुरकिरण जीत नलवा शामिल थे। इनके अलावा जिन कॉलेज के प्रिंसिपलों को सम्मानित किया गया उनमें एमसीएम डीएवी कॉलेज फॉर वूमेन की प्रिंसिपल डॉ.निशा भार्गव, गवर्नमेंट होम साइंस कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो.सुधा कत्याल, श्री गुरू गोबिंद सिंह कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो.नवजोत कौर और चंडीगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, चंडीगढ़ के प्रिंसिपल विशाल कालिया शामिल थे। उनके अलावा शहर के दो प्रमुख रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। सेक्टर-15 की रेजिडेंट्स वेल्फेयर एसोसिएशन का नेतृत्व करने वाले सुरिंदर कुमार और सेक्टर-44 की रेजिडेंट्स वेल्फेयर एसोसिएशन का नेतृत्व करने वाले अनीश गर्ग को अपने क्षेत्रों में महिला सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित करने और अपने क्षेत्र को लड़कियों और महिलाओं के लिए सुरक्षित घोषित करने के लिए सम्मानित किया गया।

सीएचबी की सेक्टर-41 के मकान मालिकों को चेतावनी, 28 फरवरी से पहले उल्लंघनों को हटाने के आदेश

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद ही सीएचबी ने नीड बेस चेंज को ध्यान में रखते हुए इन घरों की स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी की जांच करने के लिए सर्वे कराया था। बोर्ड की तरफ से गठित सब कमेटी ने सर्वे का काम पूरा किया था। सर्वे में ही ये सामने आया था कि अधिकतम मकानों में लोगों ने उल्लंघन किया हुआ है। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (सीएचबी) ने सेक्टर-41 के डुप्लेक्स घरों के मालिकों को निर्देश दिए हैं कि वह नीड बेस चेंस के अंदर आते बदलावों को नियमित करवाएं। इसके अलावा उनके घरों में जो उल्लंघन किए गए हैं, उन्हें 28 फरवरी तक हटा लें। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि इसके बाद समय नहीं दिया जाएगा और उल्लंघनों को नहीं हटाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीएचबी ने रविवार को इस संबंध में आदेश जारी किए है। सीएचबी के सचिव ने मुख्य प्रशासक की शक्तियों को प्रयोग करते हुए जारी आदेश में कहा कि आवंटी नए नीड बेस चेंज के अंदर आते बदलावों को नियमित कराने के लिए अपना आवेदन दे सकते हैं और 28 फरवरी तक बोर्ड को फोटोग्राफ के साथ अतिरिक्त उल्लंघनों के हटाने के संबंध में जानकारी दे सकते हैं, ताकि बोर्ड आगे कोई कार्रवाई न करें। बोर्ड के अनुसार नए नीड बेस चेंज के संबंध में जानकारी सीएचबी के वेबसाइट पर जाकर प्राप्त की जा सकती है। बोर्ड ने 3 जनवरी 2023 को नए नीड बेस चेंज को लागू करने के आदेश जारी किए हैं। यही कारण है कि बोर्ड ने लोगों को एक बार फिर मौका दिया है कि वह उल्लंघनों को समय रहते हटा लें। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद ही सीएचबी ने नीड बेस चेंज को ध्यान में रखते हुए इन घरों की स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी की जांच करने के लिए सर्वे कराया था। बोर्ड की तरफ से गठित सब कमेटी ने सर्वे का काम पूरा किया था। सर्वे में ही ये सामने आया था कि अधिकतम मकानों में लोगों ने उल्लंघन किया हुआ है। मकानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन सभी उल्लंघनों को हटाने की जरूरत है। इसके बाद बोर्ड ने पिछले वर्ष 626 डुप्लेक्स घरों को नोटिस भेजा था और बिल्डिंग उल्लंघन के चलते कार्रवाई की चेतावनी दी थी। नोटिस के बाद कुछ घरों में लोगों ने खुद ही उल्लंघन हटा लिए, जबकि कुछ घरों में अभी भी उल्लंघन है।

चंडीगढ़ के स्कूलों में खुलेंगे हेल्थ सेंटरे छोटी बीमारियों का घर के पास ही मिलेगा इलाज

■ हल्की बीमारी में दूर हॉस्पिटल नहीं जाना पड़ेगा, इसलिए स्कूलों की बिल्डिंग को चुना

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में हेल्थ सेवाएं और अधिक बेहतर होने जा रही हैं। जल्द ही शहर में 7 और अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स खुलने जा रहे हैं। नए वल्र्हउ शहर के पुराने गवर्नमेंट स्कूलों की बिल्डिंग में बनाए जाएंगे, जहां से स्कूल नई बिल्डिंग्स में शिफ्ट कर दिए गए हैं। शहर के किशनगढ़, पलसौरा, मक्खन माजरा, मनी माजरा, सारंगपुर, रायपुर कलां और हल्लो माजरा में पुरानी स्कूल बिल्डिंग्स में यह वल्र्हउ स्थापित होंगे। बता दें कि आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्कर मिशन के तहत चंडीगढ़ में कुल 16 यूएचडबल्यूसी खोले जाने की मंजूरी प्राप्त हुई थी। अभी शहर में कुल 9 यूएचडबल्यूसी पूरी तरह से फंक्शनल हैं। यह रायपुर खुर्द, किशनगढ़, बडेहड़ी, इंदिरा कॉलोनी, खुड्डा लाहौरा, सेक्टर 44, सेक्टर 25, पलसौरा और सेक्टर 52 में बने हुए हैं। शहर में मेडिकल एवं हेल्थ जरूरतों को देखते हुए 34 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटस) चल रहे हैं।

गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब का माहौल बिगाड़ने की साजिश नाकाम, पांच के खिलाफ केस

दर्पण न्यूज सर्विस

मोहाली। पंजाब पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने 26 जनवरी से पहले पंजाब के माहौल को बिगाड़ने की साजिश को नाकाम किया है। इसकी साजिश बब्बर खालसा व प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के चार आतंकी और जेल में बंद गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया ने रची थी। पांचों के खिलाफ एसएसओसी ने आतंक विरोधी गतिविधियों और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। इसका खुलासा मोहाली में पकड़े गए गैंगस्टरों ने किया था। चारों आतंकी अलग-अलग देशों में हैं, जबकि भगवानपुरिया मुक्तसर पुलिस की रिमांड पर है। एसएसओसी के मुताबिक बब्बर खालसा और सिख फॉर जस्टिस ने 26 जनवरी को पंजाब में आतंकी हमले की साजिश रची है। मुख्य साजिशकर्ता इग्लैंड में बैठा परमजीत सिंह उर्फ पम्मा है, जो बब्बर खालसा से जुड़ा है। उसने अपने साथी गैंगस्टर अमृतपाल सिंह उर्फ अमृत बल, प्रकट सिंह, दमनजोत सिंह उर्फ दरमन काहलो के साथ मिलकर पंजाब के माहौल को खराब करने की योजना बनाई। इसके तहत गणतंत्र दिवस से पहले सांप्रदायिक माहौल खराब करने के लिए पंजाब के अलग-अलग हिस्सों में हिंदू नेताओं की हत्या करने की योजना बनाई। जिन लोगों को इस काम की जिम्मेदारी दी गई थी, उन्हें हथियार मुहैया करवाने की जिम्मेदारी पंजाब के गैंगस्टर जगदीप सिंह उर्फ जग्गू भगवानपुरिया को दी गई थी। आरोपियों को फंडिंग विदेश से हो रही थी।

सुविधा

कैशलेस होगी दान नीति की व्यवस्था

विदेश में बैठा व्यक्ति भी अनाथ बच्चों का उठा सकेगा खर्च

■ दान करने की जगह पर लगेंगी पीओएस मशीनें, यूपीआई से भी होगी ट्रांजेक्शन

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। चंडीगढ़ यूटी प्रशासन का समाज कल्याण विभाग शहर के सभी वृद्ध आश्रम, चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट्स (सीसीआई) आदि में दान करने की नीति में बदलाव करने जा रहा है। अब पूरी प्रक्रिया कैशलेस होगी। लोगों को आटा, चावल, नमक, रिफाइंड व अन्य चीजों की जगह इसके पैसे दान करने होंगे। साथ ही नई नीति के अनुसार विदेश में बैठा भी कोई व्यक्ति चंडीगढ़ के अनाथ बच्चों का खर्च उठा सकेगा।

दुनिया के चलने के जितने नियम बताए गए हैं, उनमें दानियों की उदारता सबसे ऊंचे पाए की मानी जाती है।

इसलिए लोग धार्मिक स्थल, वृद्धा आश्रम, अनाथालय आदि जगहों पर राशन, कपड़े आदि चीजें दान करते हैं। समाज कल्याण विभाग की तरफ से शहर में कई वृद्ध आश्रम व सीसीआई चलाए जाते हैं। लोगों की तरफ से यहां काफी संख्या में राशन आदि दान किया जाता है, जिसके बदले में संबंधित आश्रम की तरफ से पर्ची काटी जाती है। ये पूरी प्रक्रिया ऑफलाइन है। दान के बदले में कितनी पर्चियां जारी की जा रही हैं, कितनी नहीं। इस पर विभाग का कोई नियंत्रण नहीं है। इसमें कई बार भ्रष्टाचार की भी शिकायतें विभाग को मिलती हैं।

इसलिए अब पूरी व्यवस्था को ही कैशलेस व ऑनलाइन किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग दान नीति में ही संशोधन करने जा रहा है। समाज कल्याण विभाग की सचिव नीतिका पवार ने बताया कि विभाग ने इस पर काम लगभग पूरा कर लिया है और जल्द ही नीति में संशोधन कर इसे लागू कर दिया जाएगा। नीतिका पवार ने बताया कि विभाग यह व्यवस्था करने जा रहा है कि अगर कोई व्यक्ति कहीं भी बैठा है वह सीसीआई के किसी एक बच्चे के एक समय का खाने का खर्च भी उठाना चाहता है तो ऐसा करने की सहूलियत दी जाएगी।

विभाग की तरफ से एक राशि बताई जाएगी, जिसे विभाग के खाते में वह ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर सकेंगे। विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि दान करने वाले व्यक्ति का पैसा सही जगह पर लगा है। इसकी उन्हें जानकारी भी दी जाएगी। इसके अलावा कोई किसी बच्चे का पढ़ाई खर्च उठाना चाहेगा तो विभाग स्कूल के अनुसार खर्च बताएगा। यही नहीं, कोई अगर बच्चे के साथ लंच करना चाहे तो वह भी संभव हो सकेगा। विभाग इसके लिए इजाजत देगा। हालांकि पहले आवेदन करना होगा। ये सुविधाएं जल्द ही विभाग की वेबसाइट पर शुरू होगी। मोबाइल एप बनाने पर भी विचार चल रहा है।

गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल को लेकर पुलिस ने ट्रैफिक एडवाईजरी जारी की

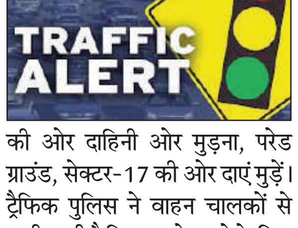

दर्पण न्यूज सर्विस

चंडीगढ़। गणतंत्र दिवस पर परेड के लिए रविवार को चंडीगढ़ पुलिस सेक्टर-17 स्थित परेड ग्राउंड में रिहर्सल करेगी। इसके लिए चंडीगढ़ पुलिस ने मंगलवार को सुबह 9.30 से 10.15 बजे तक ट्रैफिक रूट में बदलाव किया है। घर से निकलते समय ट्रैफिक रूट को देखकर ही निकलें ताकि किसी तरह की कोई समस्या न हो। पंजाब राजभवन से सेक्टर 5-6/7-8 चौक (हीरा सिंह चौक) की ओर, सीधे 4/5-8/9 चौक की तरफ, सीधे सेक्टर 3/4-9/10 चौक (न्यू बैरिकेड चौक) की ओर सीधे सेक्टर 1/3/4 चौक (ओल्ड बैरिकेड चौक) की ओर मुड़ें, वार मेमोरियल, बोगनवेलिया गार्डन, सेक्टर 3, चंडीगढ़ की ओर बाएं मुड़ें, वार मेमोरियल से बोगनवेलिया गार्डन की तरफ न जाएं, सेक्टर 3 से पुराने बैरिकेड चौक की ओर, मटका चौक की ओर दाहिनी ओर मुड़ना, परेड ग्राउंड, सेक्टर-17 की ओर दाएं मुड़ें। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि जाम से बचने के लिए ऊपर दिए गए समय के दौरान वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

क्लासीफाईड विज्ञापन

नाम परिवर्तन

मैं जसबीर सिंह पुत्र गुरमुख सिंह गांव कान्ता फार्म मोरथली, पिहोवा, कुरुक्षेत्र मैने अपने नाबालिग पुत्र का नाम गुरबक्श से बदलकर गुरबक्श सिंह रख लिया है।